राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 12अगस्त–2021 वर्ष–4, अंक –200 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज पर हो रहा विचार, नीति आयोग के सदस्य ने दी जानकारी

नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डा. वीके पाल ने मंगलवार को कहा कि कोरोना टीकाकरण पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह ने टीके की बूस्टर डोज देने पर विचार किया है और इसे बहुत गहराई से देखा जा रहा है। पाल ने कहा कि इसे कार्य में प्रगति के रूप में लिया जाना चाहिए क्योंकि विज्ञान अब भी इस क्षेत्र में काम कर रहा है। कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज देने की जरूरत पर किए गए सवाल के जवाब में पाल ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि कोरोना टीकाकरण पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह ने अपनी पिछली बैठक में टीके की बूस्टर डोज लगाने के मुद्दे पर चर्चा की थी। इसके साथ ही पल ने यह भी कहा कि डब्ल्यूएचओ ने बूस्टर खुराक पर रोक लगाने का आह्वान किया है। इसलिए हमें देखना होगा की इसपर आगे कैसे बढ़ा जाता है। वीके पाल ने इस बात पर भी जोर दिया कि लोगों को पूरी सुरक्षा के लिए वैक्सीन की दूसरी खुराक समय पर मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को बीमारी है या जो कैंसर का इलाज करा रहे हैं, उन्हें विशेष रूप से यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका टीकाकरण हो। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि अगर हम वैक्सीन लेते भी हैं तो हमें जरूरी सावधानियां बरतते रहने की जरूरत है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि देश में अबतक कोविड-19 वैक्सीन की कुल 52 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार शाम 7 बजे तक 37 लाख से अधिक खुराक दी गई है। मंत्रालय ने कहा कि मंगलवार को 18-44 वर्ष आयु वर्ग में 20,47,733 लोगों को पहली खुराक और 4,05,719 दूसरी खुराक दी गई। कुल मिलाकर, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 18-44 वर्ष के आयु वर्ग के 18,20,95,467 लोगों ने टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत के बाद से अपनी पहली खुराक और 1,29,39,239 को दूसरी खुराक प्राप्त की है।

माननीयों के क्रिमिनल केस पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

MP-MLA के क्रिमिनल केस वापस नहीं ले सकेंगी राज्य सरकारें, वापस लिए गए पुराने मामले भी दोबारा खुलेंगे

नई दिल्ली। अब राज्य सरकारें सांसदों और विधायकों पर चल रहे क्रिमिनल केस वापस नहीं ले सकेंगी। इसके लिए संबंधित राज्य के हाईकोर्ट की मंजूरी जरूरी होगी। आपराधिक मामलों में सजा पाने वाले सांसदों और विधायकों को हमेशा के लिए चुनाव लड़ने से रोकने के लिए दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह बात कही। कोर्ट ने सितंबर 2020 के बाद सांसदों-विधायकों के वापस लिए गए केस दोबारा खोलने को भी कहा है।

सुप्रीम कोर्ट के वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय ने यह पिटीशन दाखिल की थी। इसमें सांसदों-विधायकों के केस के जल्दी निपटारे के लिए स्पेशल कोर्ट बनाने की भी मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट में 3 जजों की बेंच ने इस मामले में सुनवाई की। इसमें चीफ जस्टिस एवी रमना, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विनीत सरन शामिल थे।

MP-MLA के बंद मामले फिर खोलने के निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने के अजीत बनाम केरल सरकार केस में आए फैसले का हवाला देते हुए सभी स्टेट हाईकोर्ट से अपील की है कि वे सितंबर 2020 और उसके बाद सांसदों-विधायकों के खिलाफ वापस लिए गए सभी मामलों की फिर से जांच करें। CJI ने सभी हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को पेंडिंग केस और निपटाए गए केस का चार्ट पेश करने का आदेश भी दिया।

चीफ जस्टिस ने CBI को फटकार लगाई–मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट के सहयोगी वकील विजय हंसरिया ने कोर्ट को बताया कि उन्हें इस तरह के केसों को लेकर प्रवर्तन निदेशालय से स्टेटस रिपोर्ट मिल चुकी है, लेकिन CBI ने अभी तक स्टेटस रिपोर्ट सब्मिट नहीं की है। इस पर चीफ जस्टिस ने CBI को फटकार लगाते हुए कहा, हम आश्वस्त हैं कि सरकार इस मुद्दे पर बहुत गंभीर है और कुछ करना चाहती है, लेकिन अब तक कोई प्रोग्रेस नहीं हुई है। जब आप स्टेटस रिपोर्ट भी फाइल नहीं करना चाहते, तो हमसे क्या उम्मीद कर सकते हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकारें वर्तमान या पूर्व सांसदों- विधायकों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को हाईकोर्ट के आदेश के बिना वापस नहीं ले सकती हैं।

सरकार की तरफ से मौका देने की अपील–इसके जवाब में CBI का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से स्टेटस रिपोर्ट सब्मिट करने के लिए और समय की मांग की। मेहता ने कहा, हमने कल ED की ओर से एक रिपोर्ट दायर की थी। CBI के डायरेक्टर को भी जल्द से जल्द स्टेटस रिपोर्ट सब्मिट करने को कहा है। सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट से इस केस में एक आखिरी मौका देने की अपील की।

कर्नाटक ने 61 MP-MLA के केस वापस लिए

इससे पहले, कोर्ट के सहयोगी वकील हंसरिया ने कहा कि कर्नाटक सरकार ने 61 सांसदों-विधायकों के खिलाफ केस वापस ले लिए हैं। इस पर भी कोर्ट को विचार करना चाहिए।

UP-उत्तराखंड में भी क्रिमिनल केस वापस हुए–हंसरिया ने कहा कि यूपी और उत्तराखंड समेत कई राज्य सरकारों ने अपने आदेश के जरिए दोषी जनप्रतिनिधियों के खिलाफ क्रिमिनल केस वापस ले लिए हैं।

कोर्ट मित्र ने सुप्रीम कोर्ट से दखल की अपील की–हंसरिया ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में ऑर्डर पास करना चाहिए कि संबंधित राज्य के हाईकोर्ट के आदेश के बिना राज्य सरकारें दोषी सांसदों-विधायकों के क्रिमिनल केस वापस नहीं ले सकें।

CBI और स्पेशल कोर्ट सुनवाई जारी रखेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि CBI कोर्ट और स्पेशल कोर्ट में MP-MLA के खिलाफ ऐसे केस की सुनवाई करने वाले जज अगले आदेश तक सुनवाई जारी रखेंगे।

केस की अगली सुनवाई 25 अगस्त को होगी

चीफ जस्टिस ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के निवेदन पर मामले की सुनवाई 2 हफ्ते के लिए टाल दी। अब कोर्ट 25 अगस्त को इस मामले में सुनवाई करेगा।

कोरोना का इलाज

घोड़े की एंटीबॉडी से महाराष्ट्र की कंपनी बना रही दवा, दावा– इससे 90 घंटों में संक्रमण खत्म होगा

मुंबई। महाराष्ट्र के कोल्हापुर की बायोसाइंसेज कंपनी घोड़ों की एंटीबॉडी से बनाई गई कोरोनावायरस की एक नई दवा का परीक्षण कर रही है। अगर यह दवा सभी परीक्षणों में सफल होती है, तो यह कोरोना के हल्के और मध्यम लक्षणों वाले मरीजों के इलाज अहम भूमिका निभाएगी। यह इस तरह की भारत की पहली स्वदेशी दवा होगी, जिसका इस्तेमाल संक्रमण के इलाज के लिए किया जाएगा। द इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती परीक्षणों में दवा की वजह से 72 से 90 घंटों के अंदर ही संक्रमितों की आरटी-पीसीआर रिपोर्ट निगेटिव हो जा रही है। दवा का फिलहाल ह्यूमन ट्रायल का पहला चरण चल रहा है, जिसके इस महीने के अंत तक पूरा होने की संभावना है।

कोविड एंटीबॉडीज के कॉकटेल से इलाज का दावा–आईसेरा बॉयोलॉजिकल सिर्फ चार साल पुरानी कंपनी है और अभी तक एंटीसीरम प्रोडक्ट यानी सांप काटने, कुत्ते के काटने और डिप्थीरिया के इलाज में कारगर दवाएं बनाती है। हालांकि, कंपनी को इस काम में सीरम इंडिया ऑफ इंडिया की ओर भी मदद मिलती रही है। इस बीच कंपनी ने कोविड एंटीबॉडीज का एक कारगर कॉकटेल तैयार किया है। कंपनी का दावा है कि इसके इस्तेमाल से कोविड के हल्के और मध्यम लक्षण वाले मरीजों में संक्रमण के फैलाव को रोका जा सकता है और शरीर में मौजूद वायरस को खत्म भी किया जा सकता है।

ह्यूमन ट्रायल के नतीजों का इंतजार–भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक प्रोफेसर एनके गांगुली ने कहा कि अभी तक तो यह दवा काफी हद तक उम्मीद जगाती है, लेकिन हमें ह्यूमन ट्रायल के नतीजों का इंतजार करना चाहिए। अगर दवा सभी मानकों पर सही साबित हुई, तो यह भारत जैसे देश में कोरोना के खिलाफ जारी जंग में काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। मुझे लगता है कि बाजार में उपलब्ध इंटरनेशनल उत्पादों के मुकाबले यह दवा सस्ती भी होगी।

इसरो : ईओएस–3 सैटेलाइट की लॉन्चिंग का काउंटडाउन शुरू

इससे बाढ़ और चक्रवात जैसी आपदाओं पर नजर रखी जा सकेगी

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) आज गुरुवार को नया कीर्तिमान रचने जा रहा है। भारत 75वें स्वतंत्रता दिवस से तीन दिन पहले अंतरिक्ष में एक बड़ी छलांग लगाने जा रहा है। इसके तहत अब अंतरिक्ष से भी देश पर नजर रखी जा सकेगी। दरअसल, इसरो पृथ्वी की निगरानी करने वाले अपने देश के पहले उपग्रह ईओएस-03 का प्रक्षेपण करने वाला है। इसके लिए काउंटडाउन शुरू हो चुका है। इसके सफल होने के बाद से भारत की ताकत में बढ़ोतरी होगी। यह उपग्रह भारत में आने वाली बाढ़ और चक्रवात जैसी आपदाओं की निगरानी रखने में सक्षम होगा। इसरो ने ट्वीट कर काउंटडाउन शुरू होने की जानकारी दी है। इसमें लिखा गया, जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल-एफ 10 ईओएस-03 के प्रक्षेपण के लिए काउंटडाउन आज सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र शार, श्रीहरिकोटा पर शुरू हो चुका है। इसरो ने बताया कि प्रक्षेपण 12 अगस्त को सुबह पांच बजकर 43 मिनट पर किया जाएगा। हालांकि, यह मौसम संबंधी स्थिति पर निर्भर करेगा। ईओएस-03 अति उन्नत उपग्रह है, जिसे जीएसएलवी एफ 10 यान की मदद से धरती की कक्षा में स्थापित किया जाएगा। अगर यह परीक्षण सफल होता है तो भारत की ताकत में और इजाफा होगा और मौसम संबंधी गतिविधियों को समझने में और आसानी होगी। जानिए सैटेलाइट और इसकी खासियत के बारे में सब कुछ बताया जा रहा है कि जीएसएलवी उड़ान उपग्रह को 4 मीटर व्यास-ओगिव आकार के पेलोड फेयरिंग में ले जाएगी, जिसे रॉकेट पर पहली बार उड़ाया जा रहा है, जिसने अब तक अंतरिक्ष में उपग्रह और साझेदार मिशनों को तैनात करने वाली 13 अन्य उड़ानें संचालित की हैं। इसके बारे में कहा जा रहा है कि ईओएस-03 उपग्रह एक दिन में पूरे देश की चार-पांच बार तस्वीर लेगा, जो मौसम और पर्यावरण परिवर्तन से संबंधित प्रमुख डेटा भेजेगा। ईओएस-03 उपग्रह भारतीय उपमहाद्वीप में बाढ़ और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं की लगभग रीयल टाइम निगरानी में सक्षम होगा क्योंकि यह प्रमुख पर्यावरणीय और मौसम परिवर्तनों से गुजरता है।

कर्ज में डूबी तमिलनाडु सरकार की मदद करने गांधी पोशाक में पहुंचा शख्स, अधिकारियों को थमाया चेक

चेन्नई। तमिलनाडु के नमक्कल से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है जहां गांधी पोशाक पहने एक शख्स कर्ज में डूबी तमिलनाडु सरकार की मदद के लिए जिला कलेक्टर के दफ्तर पहुंच गया। यहां उसने अधिकारियों को 2.63 लाख रुपये का चेक सौंपने की कोशिश की लेकिन अधिकारियों ने इसे स्वीकार नहीं किया।

गांधी पोशाक में आए शख्स ने बताया अपना मकसद–महात्मा गांधी के अनुयायी गांधी रमेश ने सरकार के कर्ज को चुकाने में मदद करने के लिए राज्य को 2,63,976 रुपये दान करने का फैसला किया। उन्होंने राज्य के अधिकारियों से चेक लेने और बदले में अपने परिवार को शून्य ऋण रसीद जारी करने का अनुरोध किया। रमेश ने कहा कि उन्होंने लोगों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए यह पहल की है ताकि सरकार पर कर्ज का बोझ कम हो सके। बीते सोमवार को वित्त मंत्री पी थियागा राजन ने राज्य पर भारी कर्ज होने की बात कही थी बता दें कि बीते सोमवार को तमिलनाडु के वित्त मंत्री पी थियागा राजन द्वारा राज्य की वित्तीय स्थिति पर एक श्वेत पत्र जारी किया गया था जिसमें कहा गया कि राज्य सरकार वित्तीय

संकट का सामना कर रही है। उन्होंने इसके लिए राज्य में पूर्व अन्नाद्रमुक सरकार द्वारा अनुचित शासन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि मार्च 2022 तक राज्य का कुल बकाया कर्ज 5,70,189 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। चूंकि तमिलनाडु में 2,16,24,238 परिवार हैं, इसका मतलब है कि प्रत्येक परिवार पर सार्वजनिक कर्ज का बोझ 2,63,976 रुपये होगा।

कोविशील्ड और कोवैक्सीन टीकों की मिक्सिंग में एक कदम और आगे बढ़ा भारत, स्टडी को DCGI ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के दो टीकों की मिक्सिंग पर भारत एक कदम और आगे बढ़ गया है। अब ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने भी कोवैक्सीन और कोविशील्ड वैक्सीन की मिक्सिंग पर स्टडी के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। यह स्टडी और क्लिनिकल ट्रायल करने की जिम्मेदारी वेल्लोर के क्रिश्चन मेडिकल कॉलेज को मिली है।

बैठक के दौरान एक्सपर्ट कमेटी ने सीएमसी, वेल्लोर को चौथे फेज के क्लिनिकल ट्रायल किए जाने की मंजूरी देने का सुझाव दिया। इस ट्रायल में 300 स्वस्थ वॉलंटियर्स पर कोविड-19 की कोवैक्सीन और कोविशील्ड वैक्सीन की मिक्सिंग के प्रभाव जांचे जाएंगे।

इस स्टडी का मकसद यह जानना है कि क्या किसी व्यक्ति के पूर्ण टीकाकरण के लिए उसे एक खुराक कोवैक्सीन और दूसरी खुराकी कोविशील्ड की दी जा सकती है।

यह प्रस्तावित स्टडी हाल ही में इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च यानी द्वारा की गई स्टडी से अलग है। आईसीएमआर ने उत्तर प्रदेश के उन लोगों पर शोध किया था, जिन्हें गलती से दो अलग-अलग कोरोना रोधी टीकों की खुराक दे दी गई थी।

इस स्टडी के आधार पर आईसीएमआर ने कहा था कि कोवैक्सीन और कोविशील्ड को मिलाकर दिए जाने से बेहतर परिणाम दिखे हैं और इससे कोविड-19 के खिलाफ अच्छी इम्यूनिटी भी बनी है। यह स्टडी मई और जून के बीच उत्तर प्रदेश के लाभार्थियों पर की गई।

संसद में सरकार ने क्या कहा था

तीन अगस्त को सरकार ने कहा था कि कोरोना वायरस रोधी टीकों की दोनों खुराक मिलाने के बारे में अब तक कोई सिफारिश नहीं की गई है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोविड-19 रोधी टीके हाल में विकसित किए गए हैं। विभिन्न टीकों को मिलाने और मिश्रित टीकों को लेकर वैज्ञानिक प्रमाण तथा अध्ययन शुरुआती अवस्था में हैं।

काशी में गंगा खतरे के निशान से ऊपर : सड़कों पर बहती धाराओं के बीच तटीय कॉलोनियों के लोग छोड़ रहे घर

वाराणसी। जीवनदायिनी गंगा के रौद्ररूप से काशी की मुसीबतें बढ़ने लगी हैं और घाटों से काफी आगे निकल चुकी गंगा की धारा अब सड़कों पर प्रवाहित हो रही है। खतरे के निशान से 62 सेंटीमीटर ऊपर बह रहीं गंगा के जलस्तर में तेजी से बढ़ाव जारी है। हालत यह है कि अब पानी शहर की ओर बढ़ता जा रहा है। इससे कई जगहों पर आवागमन बाधित है तो कई जगहों पर कालोनियों में पानी भरने की वजह से लोग घर छोड़कर दूसरे जगहों पर रहने को मजबूर हैं। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार गंगा इस समय खतरे के निशान 71.26 से 62 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। आने वाले समय में जलस्तर बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

मध्य प्रदेश और राजस्थान में नदियों का जलस्तर बढ़ने की वजह से ही बनारस में भी गंगा में बढ़ाव जारी है। अभी भी दो सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से जलस्तर बढ़ रहा है। मंगलवार को नदी का जलस्तर

हालत यह है कि अब पानी शहर की ओर बढ़ता जा रहा है। इससे कई जगहों पर आवागमन बाधित है तो कई जगहों पर कालोनियों में पानी भरने की वजह से लोग घर छोड़कर दूसरे जगहों पर रहने को मजबूर हैं। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार गंगा इस समय खतरे के निशान 71.26 से 62 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। आने वाले समय में जलस्तर बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

71.88 सेंटीमीटर रिकार्ड किया गया। इधर अस्सी घाट के पास चौराहे तक पानी आने के साथ ही सामनेघाट इलाके में भी सड़क किनारे की कालोनियां पूरी तरह जलमग्न हो गई हैं। उधर गंगा के साथ ही वरुणा में भी जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।

राज्यमंत्री ने जाना बाढ़ग्रस्त इलाकों का हाल

राज्यमंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी, रविंद्र जायसवाल ने मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल, जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा, पुलिस आयुक्त ए सतीश गणेश के साथ बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा किया। एनडीआरएफ की नाव से पहुंचे राज्यमंत्री ने इस दौरान लोगों में राहत सामग्रियों का वितरण किया। साथ ही यह भी भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में सरकार की ओर से हर संभव मदद किया जाएगा।

एक नजर में जलस्तर

चेतावनी बिंदु	70.262 मीटर
खतरे का निशान	71.262 मीटर
1978	73.90 मीटर
2013	72.63 मीटर
2016	72.56 मीटर
2019	71.46 मीटर
2021	71.88

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

राजनीतिक शुचिता के लिए

देश भर के विधायी सदनों में बैठे कुछ माननीयों के खिलाफ चल रहे आपराधिक मामलों के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला नैसर्गिक न्याय के अनुरूप तो है ही, उम्मीद है, राजनीति और अपराध के गठजोड़ की चूलें भी इससे हिलेंगी। आला अदालत ने साफ कर दिया है कि हाईकोर्ट की इजाजत के बिना राज्य सरकारें सांसदों और विधायकों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मुकदमे वापस नहीं ले सकतीं। प्रधान न्यायाधीश के नेतृत्व वाली पीठ ने न्याय-मित्र विजय हंसारिया की रिपोर्ट के आलोक में यह फैसला सुनाया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ राज्यों की सरकारें अपने दल के सांसदों-विधायकों के खिलाफ कायम ऐसे मामले वापस लेने की कोशिश में जुटी हैं। इस मामले में शीर्ष अदालत की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसने सभी उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरल से कहा है कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र के ऐसे तमाम मामले फौरन संबंधित हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के संज्ञान में लाएं। यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि देश में दशकों से राजनीति को अपराध मुक्त बनाने को लेकर विमर्श जारी है। बढ़ते जन-दबावों और न्यायिक सख्ती को देखते हुए कुछ कानून भी बने। सजायाफ्ता लोगों को चुनावी राजनीति से तय अवधि के लिए बाहर करने के विधान ने कुछ सांसदों-विधायकों पर सत्ता-सदनों के पट बंद भी किए। लेकिन राजनीतिक दलों के चरित्र में इससे कोई गुणात्मक बदलाव नहीं आया। उल्टे कुरसी से वंचित हुए चंद जन-प्रतिनिधियों के मुकाबले संसद और विधानसभाओं में दागी लोगों की आमद पहले से बढ़ गई। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के मुताबिक, मौजूदा लोकसभा में ही 43 प्रतिशत सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह कोई सुखद तस्वीर नहीं है और इसके लिए किसी एक पार्टी या नेता को दोषी ठहराया नहीं जा सकता। तमाम राजनीतिक दलों ने अपनी कथनी और करनी के फर्क से इस समस्या को गंभीर बनाया है। निस्संदेह, इनमें से कई मामले विद्वेष प्रेरित या राजनीतिक रंजिश की उपज होंगे, लेकिन यह भी तय करने का अख्तियार अदालतों के पास है। नैसर्गिक न्याय के लिहाज से उनके पास ही होना चाहिए। कोई राज्य सरकार ऐसे मामलों में न्यायिक भूमिका कैसे अपना सकती है, जिनके कानून-व्यवस्था के लिहाज से गहरे निहितार्थ हों? इसलिए सर्वोच्च न्यायालय की यह पहल भी स्वागत योग्य है कि ऐसे मामलों के त्वरित निपटारे की निगरानी के लिए वह एक विशेष पीठ गठित करेगा। सरकारों की राजनीतिक पक्षधरता ने देश में ऐसा माहौल बना दिया है कि कई सारे लोग असामाजिक कृत्य को ही राजनीतिक सफलता की सीढ़ी मानने लगे हैं। उद्दंड, अराजक लोगों को पुरस्कृत करने की राजनीति लोकतंत्र के लिए ही नहीं, समूचे सामाजिक ताने-बाने के लिए चुनौती बन चली है। ऐसे में, विधायी सदनों के सदस्यों के खिलाफ चल रहे मामलों का जितनी तेजी से निपटारा होगा, राजनीतिक पार्टियों पर सही उम्मीदवारों के चयन का उतना ही दबाव बढ़ेगा। उनसे अपने तईं ऐसी पहल की उम्मीद बेमानी है, क्योंकि उनके लिए सिर्फ जीत महत्वपूर्ण है। आशा है, सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला आजादी की हीरक जयंती मनाने जा रहे देश के लिए एक अहम मोड़ साबित होगा।

'आज के ट्वीट

आवास

विधायकों के आवास की समस्या काफी पुरानी थी। विधायक नगर पूर्व एवं पश्चिम तथा जालूपुरा में बने विधायक आवास काफी पुराने एवं जर्जर हो चुके थे। ऐसे में हमारी सरकार ने वर्षों से लंबित विधायकों की इस समस्या का समाधान करते हुए विधायक आवास परियोजना को मंजूरी दी। -- मु. अशोक गहलोत

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस

(लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस '12 अगस्त' को प्रतिवर्ष मनाया जाता है। किसी भी देश का युवा उस देश के विकास का सशक्त आधार होता है, लेकिन जब यही युवा अपने सामाजिक और राजनैतिक जिम्मेदारियों को भूलकर विलासिता के कार्यों में अपना समय नष्ट करता है, तब देश बर्बादी की ओर अग्रसर होने लगता है। पहली बार सन 2000 में अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन किया गया था। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस मनाने का मतलब है कि सरकार युवाओं के मुद्दों और उनकी बातों पर ध्यान आकर्षित करे। संयुक्त राष्ट्र संघ के निर्णयानुसार सन 1985 ई. को अंतरराष्ट्रीय युवा वर्ष घोषित किया गया। युवाओं का प्रवासन आज विश्वभर में अधिकतर युवा बिलासिता और सुख-सुविधा को देखते हुए अपनी देश की जमीन को छोड़कर दूसरी जगह जा रहे हैं, जिससे राष्ट्र निर्माण में दिक्कतें आ रही हैं। युवा किसी भी राष्ट्र की शक्ति होते हैं और विशेषकर भारत जैसे महान् राष्ट्र की ऊर्जा तो युवाओं में ही निहित है। ऐसे में अगर युवाओं का भारी संख्या में प्रवासन होता है तो इससे न केवल उस राष्ट्र की अक्षमता प्रदर्शित होती है, जो अपने नौजवानों को प्रयाप्त साधन नहीं दे सकता बल्कि इससे देश की विकास का सशक्त आधार भी समाप्त हो जाता है. मानव विकास गति अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस वर्तमान सदी में युवा वर्ग मानव सभ्यता के ऐसे मुकाम पर खड़ा है, जब 'मानव विकास गति' का रथ जेट विमान की गति से भाग रहा है। यह तीव्र विकास गति जहाँ अनेकों उपलब्धियां-सुविधाएँ और चमत्कार लेकर आ रही है, वहीँ युवा वर्ग के लिए तीव्र गति से भागने की क्षमता पा लेने की चुनौती भी। क्योंकि यदि युवा वर्ग इतना क्षमतावान है की वह तेज़ीसे हो रहे परिवर्तन को समझ सके, उसे अपना सके, नयी खोजों, नयी तकनीकों की जानकारी प्राप्त कर अपनी कार्यशैली परिवर्तित कर सके, तो ही वह अपने जीवन को सम्मानजनक एवं सुविधा संपन्न बना सकता है, और विश्व स्तर पर अपने अस्तित्व को बनाये रख सकता है। प्रतिस्पर्द्धा की कड़ी चुनौतियों को स्वीकार करना ही सुरक्षित भविष्य की गारंटी है। आज के युवा वर्ग को विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्द्धा में शामिल होना आवश्यक हो गया है। भारत 'युवाओं का देश' पूरे विश्व में भारत को युवाओं का देश कहा जाता है। अपने देश में 35 वर्ष की आयु तक के 65 करोड़ युवा हैं। अर्थात् हमारे देश में अथाह श्रमशक्ति उपलब्ध है। आवश्यकता है आज हमारे देश की युवा शक्ति को उचित मार्ग दर्शन देकर उन्हें देश की उन्नति में भागीदार बनाने की, उनमे अच्छे संस्कार, उचित शिक्षा एवं प्रोद्यौगिक विशेषज्ञ बनाने की, उन्हें बुरी आदतों जैसे- नशा, जुआ, हिंसा इत्यादि से बचाने की। क्योंकि चरित्र निर्माण ही देश की, समाज की, उन्नति के लिए परम आवश्यक है। दुश्चरित्र युवा न तो अपना भला कर सकता है, न समाज का और न ही अपने देश का। देश के निर्माण के लिए, देश की उन्नति के लिए, देश को विश्व के विकसित राष्ट्रों की पंक्ति में खड़ा करने के लिए युवा वर्ग को ही मेधावी, श्रमशील, देश भक्त और समाज सेवा की भावना से ओत प्रोत होना होगा। आज के युवा वर्ग को अपने विद्यार्थी जीवन में अध्ययनशील, संयमी, चरित्र निर्माण के लिए आत्मानुशासन लाकर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के प्रयास करने चाहिप्रयास करने चाहिए। जिसके लिए समय का सदुपयोग आवश्यक है। विद्यालय को मस्ती की पाठशाला समझ कर समय गंवाने वाले युवा स्वयं अपने साथ अन्याय करते हैं, जिसकी भारी कीमत जीवन भर चुकानी पड़ती है। बिना शिक्षा के कोई भी युवा अपने जीवन को सुचारू रूप से चलाने में अक्षम रहता है। चाहे उसके पास अपने पूर्वजों का बना बनाया, स्थापित कारोबार ही क्यों न हो। या वह किसी राजनयिक या प्रशासनिक अधिकारी की संतान ही क्यों न हो। इसी प्रकार बिना शिक्षा के जीवन में कोई भी कार्य, व्यापार, व्यवसाय उन्नति नहीं कर सकता। यदि कोई युवा अपने विद्यार्थी जीवन के समय का सदुपयोग कर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है तो मनोरंजन, मस्ती और ऐश के लिए पूरे जीवन में भरपूर अवसर मिलते हैं। वर्तमान समय में युवा विद्यार्थियों को रोजगार परक शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए, अर्थात् प्रोद्यौगिकी से सम्बंधित विषयों में विशेषज्ञता प्राप्त करनी चाहिए। जो देश की उन्नति में योगदान देने के साथ-साथ रोजगार की असीम संभावनाएं दिलाती है।

भारत की प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था

भारत में प्राथमिक शिक्षा जो वजो विद्यार्थी जीवन की नींव होती है, कुछ निजी स्कूलों को छोड़ कर बच्चों में शिक्षा के प्रति रूचि पैदा करने में असफल हैं। शिक्षा में गुणात्मकता के अभाव होने के कारण बच्चे सिर्फ परीक्षा पास करने की विधा सीखने तक सीमित रह जाते हैं, जिसका मुख्य कारण है शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश करने में विद्वान् और मेधावी युवाओं की अरुचि। शिक्षा के क्षेत्र में अपेक्षाकृत मध्यम श्रेणी की योग्यता वाले युवा इसे अपना कार्यक्षेत्र बनाते हैं। जब शिक्षक ही अधूरे ज्ञान के साथ पढ़ाने के लिए आते है, तो उनके विद्यार्थी कितने मेधावी एवं योग्य नागरिक बन सकते हैं। ऐसे शिक्षक कैसे विद्यार्थी में शिक्षा के प्रति रूचि विकसित कर सकते हैं। बिना रूचि जगाये किसी भी बच्चे को योग्य नागरिक नहीं बनाया जा सकता, उसे उच्च शिक्षा प्राप्त करने के योग्य नहीं बनाया जा सकता। परिणाम सवरूप नब्बे प्रतिशत छात्र हाईस्कूल तक की शिक्षा प्राप्त कर आगे की शिक्षा से मुंह मोड़ लेते हैं या कुछ बेमन से सिर्फ डिग्री प्राप्त करने के लिए आगे पढ़ते हैं।

योग्य शिक्षक का महत्त्व

यदि शिक्षकों को उत्तम सेवा शर्तों और उच्च वेतनमान की व्यवस्था की जाय तो मेधावी युवक भी शिक्षा के क्षेत्र में पदार्पण कर सकते हैं, जो देश को उच्च श्रेणी के नागरिक उपलब्ध करने में सफल होंगे। दूसरी मुख्य बात यह है, किसी भी शिक्षक की योग्यता का मापदंड उसकी कक्षा में सफल विद्यार्थियों के प्रतिशत से आंकलन न कर विद्यार्थियों के योग्यता के स्तर से होनी चाहिए। विभिन्न स्कूलों में प्रतियोगिता आयोजित कर विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान और बौद्धिक स्तर का परिक्षण करते रहना चाहिए, जो शिक्षक की योग्यता का निर्धारण भी करे। यदि देश की शिक्षा संथाओं को योग्य शिक्षक, रोजगार परक पाठ्यक्रम, सभी प्रकार से सुविधा संपन्न प्रयोगशालाएं उपलब्ध करायी जाएँ तो अवश्य ही युवा वर्ग को मेधावी एवं सफल नागरिक के रूप में विकसित किया जा सकता है, जो देश के विकास में अपने योगदान के साथ-साथ अपना जीवन स्तर भी विश्व के विकसित देशों के समकक्ष कर सकेंगे। अतः अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर देश के कर्णधारों को युवाओं के उचित विकास एवं दिशा निर्देश उपलब्ध करने के लिए संकल्पबद्ध होना चाहिये। जब देश के युवाओं का भविष्य संवरेगा तो समाज का, देश का और नेताओं का भविष्य भी उज्ज्वल बनेगा। वर्तमान में युवा वर्ग बहुत संत्रास में जी रहा हैं .गुणवत्ता युक्त शिक्षा का आभाव और नौकरी के अवसर न मिलने से कुंठाग्रस्त हैं .बेरोजगारी चरम सीमा में हैं।

ज्ञान गंगा

पात्रता

श्रीराम शर्मा आचार्य

पात्रता के अभाव में सांसारिक जीवन में किसी को शायद ही कुछ विशेष उपलब्ध हो पाता है। अपना सगा होते हुए भी एक पिता गैर-जिम्मेदार पुत्र को अपनी विपुल सम्पत्ति नहीं सौंपता। कोई भी व्यक्ति निर्धारित कसौटियों पर खरा उतर कर ही विशिष्ट स्तर की सफलता अर्जित कर सकता है। मात्र मांगते रहने से कुछ नहीं मिलता, हर उपलब्धि के लिए उसका मूल्य चुकाना पड़ता है। बाजार में विभिन्न तरह की वस्तुएं दुकानों में सजी होती हैं, पर उन्हें कोई मुफ्त में कहां प्राप्त कर पाता है? अनुनय-विनय करने वाले तो भीख जैसी नगण्य उपलब्धि ही करतलगत कर पाते हैं। पात्रता के आधार पर ही शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय आदि क्षेत्रों में भी विभिन्न स्तर की भौतिक उपलब्धियां हस्तगत करते सर्वत्र देखा जा सकता है। अध्यात्म क्षेत्र में भी यही सिद्धांत लागू होता है। भौतिक क्षेत्र की तुलना में अध्यात्म के प्रतिफल कई गुना अधिक महत्त्वपूर्ण, सामर्थ्यवान और चमत्कारी हैं। किन्हीं-किन्हीं महापुरुषों को देख-सुनकर हर व्यक्ति के मुंह में पानी भर आता है तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए मन ललचाता है, पर अभीष्ट स्तर का आध्यात्मिक पुरुषार्थ न कर पाने के कारण उस ललक की आपूर्ति नहीं हो पाती। पात्रता के अभाव में अधिकांश को दिव्य आध्यात्मिक विभूतियों से वंचित रह जाना पड़ता है जबकि पात्रता विकसित हो जाने पर बिना मांगे ही वे साधक पर बरसती हैं। प्रकाश की ओर चलने पर छाया पीछे-पीछे अनुगमन करती है। अंधकार की दिशा में बढ़ने पर छाया आगे आ जाती है, उसे पकड़ने का प्रयत्न करने पर भी वे पकड़ में नहीं आतीं। इसी प्रकार अर्थात् दिव्यता की ओर-श्रेष्ठता की ओर परमात्म पथ की ओर बढ़ने पर छाया अर्थात् ऋद्धि-सिद्धियां साधक के पीछे-पीछे चलने लगती हैं। दिव्यता की ओर बढ़ने का अर्थ है-अपने गुण, कर्म, स्वभाव को इतना परिष्कृत, परिमार्जित कर लेना कि आचरण में देवत्व प्रकट होने लगे। इच्छाएं, आकांक्षाएं देवस्तर की बन जाएं। आत्म विकास की इस स्थिति पर पहुंचे हुए साधक की, ऋद्धियां-सिद्धियां सहचरी बन जाती हैं। पर इन अलौकिक विभूतियों को प्राप्त करने के बाद वे उनका प्रयोग कभी भी अपने लिए अथवा संकीर्ण स्वार्थों के लिए नहीं करते। संसार के कल्याण के लिए ही वे उन शक्तियों का सदुपयोग करते हैं।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

जलवायु परिवर्तनः आखिर कब संभलेंगे हम?

- अली खान

इस बात की गारंटी है कि चीजें और बिगड़ने जा रही हैं। मैं ऐसा कोई क्षेत्र नहीं देख पा रही, जो सुरक्षित है। कहीं भागने की जगह नहीं रहेगी और न ही कहीं छिपने की गुंजाइश रहने वाली है। -यह अमेरिकी वरिष्ठ जलवायु वैज्ञानिक लिंडा मर्न्स का कहना है। संयुक्त राष्ट्र यानी यूएन की तरफ से सोमवार को एक रिपोर्ट जारी की गई, इसे मानवता के लिए कोड रेड अलर्ट का नाम दिया गया है। बता दें कि जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल के तहत दुनिया भर के 234 विज्ञानियों ने तीन हजार से ज्यादा पन्नों की यह रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट के जरिए जलवायु परिवर्तनों को लेकर गंभीरतापूर्वक चेताया गया है। रिपोर्ट में इस बात का दावा किया गया है कि यदि दुनिया में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कोई कमी नहीं की गई तो वर्ष 2100 तक धरती का तापमान दो डिग्री तक बढ़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पांच दशकों में एकबार आने वाली प्रचंड लू अब हर एक दशक के भीतर आ रही है। यदि तापमान में एक डिग्री का और इजाफा हुआ तो ऐसा प्रत्येक सात साल में एकबार होने लग जाएगा। वहीं आर्कटिक, ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियर और बर्फीली चट्टानें बहुत तेजी से पिघलेंगी। बड़े पैमाने पर लू के थपेड़ों के साथ सूखा, भारी बारिश की वजह से बाढ़ जैसी स्थिति पैदा होगी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हिंद महासागर, दूसरे महासागरों की तुलना में तेजी से गर्म हो रहा है। रिपोर्ट की सह-अध्यक्ष और फ्रांस की जलवायु विज्ञानी वैलेरी मैसन डेल्सोट ने कहा, रिपोर्ट दिखाती है कि हमें अगले दशक में ज्यादा गर्म जलवायु के लिए तैयार रहना होगा। हालांकि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को रोककर हम कुछ बहुत बड़ी तस्वीरों को बदल सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि तापमान में वृद्धि के लिए कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन जैसी गैसों का उत्सर्जन जिम्मेदार है। एक अन्य अध्ययन के मुताबिक, बढ़ते ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन से महासागर का पानी अब गर्म, अधिक अम्लीय और कम ऑक्सीजन क्षमता वाला हो गया है। जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली प्राकृतिक आपदाएं चरम पर है। बीसवीं सदी की शुरुआत से अबतक 13.3 लाख लोगों की जान ले चुके तूफान समुद्र के गर्म होने के साथ और तीव्र होते जा रहे हैं। समुद्री स्तर बढ़ने से तटीय क्षेत्र में बाढ़ गंभीर होती जा रही है। सदी के अंत तक ढाई लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्रों में बाढ़ से लाखों लोगों पर खतरे का अनुमान है। वहीं, पिछले 40 वर्षों में आर्कटिक में समुद्री बर्फ पतली हो गई है। इसकी सीमा में 13त्न की कमी आई है और मोटाई 1.75 मीटर कम हुई है। समुद्री खाद्य पदार्थ प्रोटीन और पोषक तत्वों का प्रमुख स्रोत है। अनुमान है 2050 तक इन खाद्य पदार्थ में गंभीर कमी आ सकती है। माइक्रोप्लास्टिक्स पारा, औद्योगिक रसायन और अन्य विषाक्त पदार्थों ने महासागरों को बड़े पैमाने पर प्रदूषित किया है। समुद्र प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले जीवों को आश्रय देता है। लेकिन प्रदूषण ने इनके ऊपर खतरे को बढ़ा दिया है। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि यदि समय रहते ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती नहीं की गई, तो दुनिया को निकट भविष्य में बहुत बड़े संकट से दो-चार होना पड़ेगा। हम सब यह बखूबी जानते हैं कि समुद्र का तापमान क्यों बढ़ रहा है? इसके पीछे की वजह साफ है पर्यावरण में ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ना। ऐसे में, अब दरकार इस बात की है कि हमें ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को नियमित रूप से कम करना होगा। लेकिन, जब भी ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने का सवाल उठता है तो इस मसले पर होने वाले वैश्विक सम्मेलनों में इसका ठीकरा विकासशील देशों पर फोड़ दिया जाता है और सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जित करने वाले अमीर और विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। सवाल उठता है कि

कार्बन उत्सर्जन के मुद्दे पर विकसित और अमीर देशों के मौजूदा रुख के बने रहते क्या हम इससे पैदा होने वाली स्थिति में किसी सुधार की उम्मीद कर सकते हैं ? इसके बावजूद इस मसले पर वैश्विक स्तर पर चिंता जताने और हालात में सुधार होने की उम्मीद में कमी नहीं होती है। अगर हम ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को स्थायी रूप से कम करते जाने की पुख्ता व्यवस्था कर लेते हैं तो यह बहुत हद तक संभव है कि हम भविष्य में ऐसी आने वाली विपदाओं से बच सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि हम पारिस्थितिकी संतुलन को बनाए रखने के लिए अधिकाधिक भूमि पर पौधारोपण करें। पारिस्थितिकी संतुलन और स्थाई विकास को बनाए रखने के लिए वनों, द्वीप समूहों, तटवर्ती क्षेत्रों, नदियों, कृषि, शहरी पर्यावरण और औद्योगिक पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी प्रणालियों पर भी गौर करना होगा। आज जलवायु में परिवर्तन के कारण चक्रवात, बाढ़ तथा सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाएं आने की प्रबलता बढ़ी है। ऐसे में, एक सतत एवं प्रभावी तरीके से इन चुनौतियों से निपटने के लिए जलवायु परिवर्तन के अनुकूल क्रियाओं को प्रोत्साहित और संवर्धित करने की जरूरत है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मीडियाटेक ने पेश किए दो नए डाइमेंशन 5जी चिपसेट

ताइपे। चिपमेकर मीडियाटेक ने बुधवार को दो नए डाइमेंशन 5जी चिपसेट- डाइमेंशन 920 और डाइमेंशन 810 लॉन्च किए। स्मार्टफोन निमार्ताओं के लिए अपने ग्राहकों के लिए बेहतर प्रदर्शन करने वाला डिवाइस बनाने में मदद करेगा। नया मीडियाटेक डाइमेंशन 920 और डाइमेंशन 810 उन 5जी स्मार्टफोन्स को पावर देगा, जिनके इस साल तीसरी तिमाही में ग्लोबल मार्केट में लॉन्च होने की उम्मीद है। मीडियाटेक की वायरलेस कम्युनिकेशंस बिजनेस यूनिट के कॉर्पोरेट वीपी और जीएम जे.सी. ह्सू ने एक बयान में कहा, विस्तारित डाइमेंशन चिपसेट श्रृंखला के साथ, मीडियाटेक डिवाइस निर्माताओं और स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं को मुख्यधारा के बाजार के लिए अधिक सुलभ मूल्य बिंदुओं पर नवीनतम नवाचार प्रदान कर रहा है। एचएसयू ने कहा, प्रदर्शन, डिस्प्ले इंटेलिजेंस और इमेज ब्राइटनेस को बढ़ावा देते हुए, ये नए डाइमेंशन चिपसेट यूजर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाएंगे और 5जी स्मार्टफोन्स को एडवांस्ड 5जी फीचर्स और क्षमताएं मुहैया कराएंगे। डाइमेंशन 810 को 6एनएम हाई-परफॉर्मेंस मैन्युफैक्च रिंग नोड का उपयोग करके बनाया गया है। यह 2.4गीगाहट्र्ज तक आर्म कॉर्टेक्स-ए76 सीपीयू स्पीड, आर्कसॉफ्ट के सहयोग से कलात्मक एआई-कलर सहित प्रीमियम कैमरा सुविधाएं और शानदार लो-लाइट फोटोग्राफी के लिए उन्नत शोर कम करने की तकनीक प्रदान करता है। शक्तिशाली 5जी स्मार्टफोन के लिए डिजाइन किया गया, डाइमेंशन 920 एक अविश्वसनीय मोबाइल अनुभव प्रदान करने के लिए प्रदर्शन, शक्ति और लागत को संतुलित करता है। 6एनएम उच्च-प्रदर्शन निर्माण नोड का उपयोग करके निर्मित, यह बुद्धिमान डिस्प्ले और हार्डवेयर-आधारित 4के एचडीआर वीडियो कैप्चर का समर्थन करता है, साथ ही अपने पहले डाइमेंशन 900 की तुलना में गेमिंग प्रदर्शन में 9 प्रतिशत की वृद्धि पेशकश करता है।

सोनी ने भारत में दो नए प्रीमियम ब्राविया एक्सआर टीवी को किया लॉन्च

नई दिल्ली। घर में आराम से सिनेमाई अनुभव देने के उद्देश्य से सोनी ने बुधवार को भारतीय दर्शकों के लिए दो नए प्रीमियम ब्राविया एक्सआर टीवी को पेश किए। नए एक्सआर-77ए80जे की कीमत 549,990 रुपये है और यह 25 अगस्त से उपलब्ध होगा, जबकि केडी-85एक्स85जे की कीमत 499,990 रुपये है और यह अब उपलब्ध है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि नए टीवी गेमिंग क्षमताओं, एचडीएमआई 2.1, डॉल्बी विजन, डॉल्बी एटमॉस, आईमैक्स के साथ-साथ एम्बिएंट ऑप्टिमाइजेशन और एकॉस्टिक ऑटो-कैलिब्रेशन तकनीक से लैस हैं। नया ब्राविया एक्सआर 77ए80जे ओलेड नए कॉग्निटिव प्रोसेसर एक्सआर द्वारा संचालित है और 85एक्स85जे टेलीविजन एक्ल1 4के एचडीआर पिक्च र प्रोसेसर द्वारा संचालित है। कंपनी ने कहा कि यह एक क्रांतिकारी अनुभव प्रदान करने वाले डिजाइन है। जो दर्शकों को उनकी पसंदीदा सामग्री में पूरी तरह से खो देने वाला है। दोनों नए बड़े स्क्रीन वाले टीवी एचडीएमआई 2.1, 4के120, ऑटो लो लेटेंसी मोड (एएलएम) और वेरिएबल रिफ्रेश रेट (वीआरआर) जैसी गेमिंग क्षमताओं से लैस हैं। ब्राविया एक्सआर 77ए80जे ओलेड और 85एक्स85जे के साथ, उपयोगकर्ता 4के,120 एफपीएस और समर्पित गेम मोड के साथ 8.5 एमएस से कम इनपुट लैग के साथ अल्ट्रा-स्मूद गेमिंग का आनंद ले सकते हैं। ए80जे में 4के 120एफपीएस, वीआरआर, एलएलएम और ई-आर्क सहित एचडीएमआई 2.1 संगतता के साथ, उपयोगकर्ताओं को तत्काल ऑन-स्क्रीन एक्शन के साथ खेल और उच्च-प्रदर्शन वाले खेलों की शूटिंग में लाभ होगा। एचडीएमआई 2.1 में उच्च गति है जो अधिक रिजॉल्यूशन, डेटा हैंडलिंग और 4के 120हट्र्ज, वीआरआर और एलएलएम जैसी अतिरिक्त सुविधाओं को महसूस करने में सक्षम बनाती है। कंपनी ने कहा कि एक्सआर सराउंड टेक्नोलॉजी के साथ, 3डी सराउंड अपस्केलिंग की पेशकश करते हुए, उपयोगकर्ता नवीनतम ऑडियो प्रारूपों के सिनेमाई रोमांच का अनुभव कर सकते हैं।

शेयर बाजार स्थिर बंद, टाटा स्टील 4प्रतिशत चढ़ा

मुंबई (एजेंसी):

शेयरों में उच्च स्तर पर मुनाफावसूली से बुधवार को शेयर बाजारों में सूचकांक करीब करीब स्थिर रहे। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 28.73 अंक यानी 0.05 प्रतिशत फिसलकर 54,525.93 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 2.15 अंक यानी 0.01 प्रतिशत की हल्की बढ़त के साथ 16,282.25 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में करीब 4 प्रतिशत बढ़त के साथ सर्वाधिक लाभ में टाटा स्टील का शेयर रहा। इसके अलावा एनटीपीसी, पावर ग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फिनसर्व में प्रमुख रूप से तेजी रही। दूसरी तरफ, गिरावट वाले शेयरों में कोटक बैंक, बजाज ऑटो, सन फार्मा और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''एशियाई तथा अमेरिकी शेयर बाजारों में कमजोर रुख के बीच बिकवाली जारी रहने से घरेलू शेयर बाजार शुरूआती बढ़त को बरकरार नहीं रख पाए।'' उन्होंने कहा कि छोटी कंपनियों के शेयरों के भाव में अधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने को लेकर बीएसई की तरफ से किए गए उपायों से छोटी एवं मझोली कंपनियों के शेयरों में बिकवाली दबाव बढ़ा। हालांकि, केवल छोटी कंपनियों तक ही पाबंदियों को लेकर उपाय सीमित रहने के बारे में स्पष्टता के बाद छोटे शेयरों में राहत देखी गई। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांगकांग और तोक्यो लाभ में रहे जबकि सियोल में गिरावट रही। यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 70.74 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

ल्यूपिन का पहली तिमाही में लाभ पांच गुना वृद्धि के साथ 542 करोड़ रुपए

नई दिल्ली: दवा कंपनी ल्यूपिन ने बताया कि 30 जून, 2021 को समाप्त तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ पांच गुना की वृद्धि के साथ 542.46 करोड़ रुपए रहा। कंपनी के अप्रैल-जून 2021 तिमाही में शुद्ध लाभ में यह उछाल एमईके इन्हिबिटर कंपाउंड कार्यक्रम संबंधी सहयोग के लिए बायोफार्मास्यूटिकल कंपनी बोहरिंगर इंगेलहेम से हासिल हुई मजबूत बिक्री और आय की वजह से आई। गौरतलब है कि ल्यूपिन ने कैंसर के इलाज की खातिर एमईके कार्यक्रम के लिए बोहरिंगर इंगेलहेम के साथ सहयोग किया है। ल्यूपिन ने मंगलवार देर रात दी गई एक नियमाकीय सूचना में कहा कि उसने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 106.90 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। इस तिमाही में कंपनी का परिचालन से हासिल होने वाला एकीकृत राजस्व 4,237.39 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले इसी अवधि में यह 3,468.63 करोड़ रुपए था। ल्यूपिन के प्रबंध निदेशक नीलेश गुप्ता ने कहा, जहां परिचालन के मुश्किल माहौल के बावजूद तिमाही का लाभ बोहरिंगर इंगेलहेम एमईके कार्यक्रम की आय से बेहतर हुआ, हमें वृद्धि की पूरी संभावना दिख रही है।

'ब्रांड इंडिया' को आगे बढ़ाना है, सरकार हर समय उद्योग के साथ खड़ी: मोदी

नयी दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उद्योग जगत से देश में विनिर्माण को गति देने और 'ब्रांड इंडिया' को आगे बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार हमेशा उनकी समस्याओं को दूर करने के लिये उनके साथ खड़ी है।भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की सालाना बैठक को 'ऑनलाइन' संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था फिर से तेजी से आगे बढ़ रही है और विभिन्न क्षेत्रों में नये अवसर सृजित हो रहे हैं। उद्योग जगत से देश में विनिर्माण को गति देने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, ''हमें आपकी (उद्योग) भागीदारी के साथ ब्रांड इंडिया को आगे बढ़ाना है, मैं आपके लिये हमेशा खड़ा रहा हूं और खड़ा रहूंगा।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार कारोबार सुगमता के लिये सुधारों को तेजी से आगे बढ़ा रही है और महामारी के दौरान भी हमने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। उन्होंने कहा, ''हमने हाल में कंपनी कानून में बदलाव कर कई प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से हटाया... श्रम सुधारों पर ध्यान दिया जा रहा है।'' मोदी ने कहा, ''हमने संसद के मौजूदा सत्र में... अतीत की गलतियों को सुधारते हुए पूर्व तिथि से कर लगाने के कानून को समाप्त किया। इससे उद्योग के बीच भरोसा बढ़ेगा।'' उन्होंने कहा कि भारत में आज प्रतिस्पर्धी कर व्यवस्था है, कारोबार सुगमता में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। सुधारों का ही नतीजा है कि देश में रिकार्ड प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम सुधारों को बाध्यता के तहत नहीं बल्कि एक भरोसे और मजबूती के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि देश में आज हर क्षेत्र में आत्मविश्वास बढ़ रहा है। स्टार्टअप देश की पहचान बन रहे हैं और आज देश में 60 'यूनिकार्न' हैं। इनमें से 21 तो पिछले कुछ माह के दौरान ही इस स्तर पर पहुंचे हैं। मोदी ने कहा कि भारत में आर्थिक वृद्धि को गति देने के शानदार अवसर हैं और उद्योग जगत को इसका लाभ उठाना चाहिए।

क्रिप्टोकरेंसी की अब तक की सबसे बड़ी चोरी, हैकर्स ने उड़ाए 4,465 करोड़ रुपए

(एजेंसी):

बिटकॉइन जैसी क्रिप्टोकरेंसीज के बारे में भारत समेत पूरा दुनिया में इसका क्रेज बढ़ रहा है, लेकिन अब हैकर्स की इस पर बुरी नजर पड़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, हैकर्स ने 60 करोड़ डॉलर यानी करीब 4,465 करोड़ रुपए की क्रिप्टोकरेंसीज चुराई गई है। इसे क्रिप्टोकरेंसीज की अब तक की सबसे बड़ी चोरी माना जा रहा है। चोरी की गई क्रिप्टोकरेंसीज में ईथर **(Ether)** और दूसरी डिजिटल करेंसीज शामिल हैं। अलग-अलग ब्लॉकचेंस को जोड़ने वाली कंपनी पॉली नेटवर्क **(Poly Network)** ने मंगलवार को ट्विटर पर जानकारी दी कि कुछ हैकरों ने उसकी सिक्योरिटी में सेंध लगाई है और रिकॉर्ड मात्रा में क्रिप्टोकरेंसी उड़ा ली है। कंपनी ने बताया कि हैकरों ने उसके नेटवर्क पर अटैक किया और फिर बड़ी मात्रा में क्रिप्टोकरेंसीज को अपने अकाउंट्स में ट्रांसफर कर दिया।

इतिहास की सबसे बड़ी चोरी

कंपनी ने साथ ही हैकरों की ओर से इस्तेमाल किए गए ऑनलाइन एड्रेस भी शेयर किए। उसने इस हैकिंग से प्रभावित ब्लॉकचेंस और क्रिप्टो एक्सचेंजेज को इन एड्रेसेज से आ रहे टोकंस को ब्लैकलिस्ट करने को कहा है। पॉली नेटवर्क ने साथ ही हैकरों से भी चुराई गई क्रिप्टोकरेंसीज वापस करने की अपील की है। कंपनी ने कहा कि जो अमाउंट आपने हैक की है, वह इतिहास की सबसे बड़ी चोरी है। जो पैसे आपने चुराए हैं, वो क्रिप्टो कम्युनिटी के हजारों सदस्यों के हैं। माना जा रहा है कि इस चोरी में सबसे ज्यादा प्रभावित दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी **Ethereum** हुई है। हैकर्स ने 27.3 करोड़ डॉलर के **Ethereum** पर हाथ साथ किया है। साथ ही उन्होंने पॉली नेटवर्क से 25.3 करोड़ डॉलर के **Binance Smart Chain** को भी अपने अकाउंट्स में ट्रांसफर किया। लगभग 3.3 करोड़ डॉलर की **Tether** कॉइन भी चोरों ने उड़ा ली थी लेकिन अटैक का पता चलते ही इसे इशूअर ने इसे फ्रीज कर दिया है।

3 अकाउंट में ट्रांसफर किया पैसा

हैकर्स ने करेंसीज चुराने के बाद इन्हें क्रिप्टोकरेंसी एड्रेसेज में भेजना शुरू कर दिया था। सिक्योरिटी कंपनी **SlowMist** के मुताबिक कुल 61 करोड़ डॉलर की क्रिप्टोकरेंसी को 3 अलग-अलग एड्रेसेज में ट्रांसफर किया गया। ये अब तक की सबसे बड़ी चोरी डिसेंट्रलाइज्ड फाइनेंस या **DeFi** स्पेस में हुई है। **Poly Network** एक प्लेटफॉर्म है जो यूजर्स को क्रिप्टो टोकन्स एक्सचेंज करने की परमिशन देता है।

गडकरी का रिजर्व बैंक के बढ़ते विदेशी मुद्रा भंडार का ढांचागत परियोजनाओं में इस्तेमाल पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी):

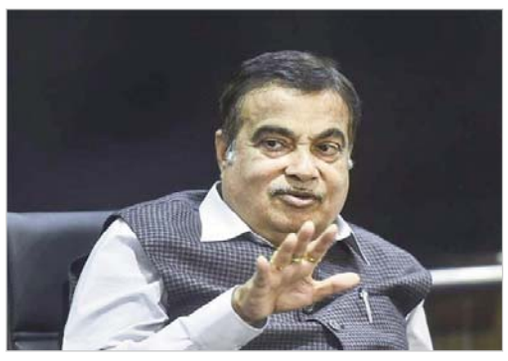

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को सड़क परियोजनाओं के वित्तपोषण में भारतीय रिजर्व बैंक के बढ़ते विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल करने की खातिर नीति बनाने की वकालत करते हुए कहा कि देश को ऐसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए कम लागत वाले वित्त की जरूरत है। उद्योग संगठन सीआईआई के वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के पास भी विद्युत मंत्रालय के विद्युत वित्त निगम (पीएफसी) की तरह एक वित्तीय शाखा होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'देश में हमारे पास डॉलर का अधिशेष है। मैंने रिजर्व बैंक के गवर्नर से बात करने का फैसला किया है कि हम एक नीति कैसे तैयार कर सकते हैं जिसके द्वारा हम देश में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए इस विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग कर सके। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 30 जुलाई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 9.427 अरब डॉलर बढ़कर 620.576 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। हाल ही में, संसद की एक समिति ने भी यह सुझाव दिया था कि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में हाल के दिनों में काफी वृद्धि हुई है और भारतीय रिजर्व बैंक के पास विदेशी भंडार की पर्याप्त उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए, दीर्घकालिक सड़क बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए अधिशेष धन के उपयोग की संभावना पर विचार कर सकता है। गडकरी ने कहा कि वह भारत में बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण के लिए विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक और न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) से बात कर रहे हैं, लेकिन वह उनकी प्रतिक्रिया से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'इसलिए हमें कुछ वित्तीय संस्थानों की जरूरत है, जो बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए ब्याज लागत को कम कर सकते हैं।' केंद्रीय मंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय रेलवे को भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) मिला है, विद्युत मंत्रालय को विद्युत वित्त निगम मिला है लेकिन एनएचएआई की कोई वित्तीय शाखा नहीं है। गडकरी ने सुझाव देते हुये कहा, 'हम एक संस्थान की जरूरत है जिसमें एनएचएआई की हिस्सेदारी हो और साथ ही वित्तीय संस्थान की हिस्सेदारी भी उसमें हो। ऐसे संयुक्त उद्यम के साथ हम नीति बना सकते हैं।'

सोने, चांदी में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सोना 159 रुपये की तेजी के साथ ही 45,130 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं गत दिवस कारोबार में सोना 44,971 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी भी 99 रुपये की तेजी के साथ ही 61,250 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जो पिछले दिवस कारोबार के दौरान 61,151 रुपये प्रति किलोग्राम थी। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1,733 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया जबकि चांदी 23.36 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर बनी हुई थी।

सरकार 12 से 15 लाख टन सोया खली के आयात की देगी अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी):

केंद्र सरकार 12 से 15 लाख टन जीन संवर्द्धित सोया खली के आयात का आदेश देने की तैयारी में है। शीर्ष सरकारी अधिकारियों ने आज बताया कि सोया खली की बढ़ती कीमतों से मुर्गीपालन उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने इसका आयात करने का निर्णय लिया है। सोया खली का इस्तेमाल मुर्गियों के आहार (भोजन) में होता है। सोया खली के दाम बढ़ने से मवेशी आहार की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। आहार में मक्का के साथ सोया खली का खास तौर पर इस्तेमाल होता है। मुर्गीपालन क्षेत्र के प्रतिनधियों ने कहा कि इस वर्ष अप्रैल से जुलाई के दौरान सोया खली की कीमतें 64 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं जिससे उनके कारोबार को चोट पहुंच रही है। सोया खली के आयात पर एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, 'इस बारे में आधिकरिक आदेश कभी भी आ सकता है।' अधिकारी ने कहा कि आयातकों को यह बताना अनिवार्य होगा कि सोया खली का इस्तेमाल केवल मवेशी के आहार के लिए होगा। अधिकारी ने कहा कि जीन संवर्द्धित सोया खली का आयात करने का निर्णय पर्यावरण मंत्रालय, वाणिज्य एवं उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण और दुग्ध एवं मत्स्य उद्योग मंत्रालय ने संयुक्त रूप से लिया है। सोया खली की ऊंची कीमतों से देश का 80,000 करोड़ रुपए का मुर्गीपालन उद्योग प्रभावित हो गया है और इस कारोबार से जुड़े लोगों की कमाई पर खासा असर हुआ है। ऐसी खबर है कि इस उद्योग ने इस चुनौतीपूर्ण हालात से निकलने के लिए संबंधित मंत्रालयों से सोयाबीन की नई फसल बाजार में आने से पहले सोया खली का आयात करने की गुहार लगाई थी। हालांकि कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि खरीफ सत्र में सोयाबीन की बुआई के दौरान सोया खली का आयात इसके उत्पादकों का उत्साह ठंडा कर सकता है। यह मामला इसलिए भी अहम है क्योंकि पिछले छह महीनों से भी अधिक समय से किसान तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि मुर्गीपालन उद्योग के लोगों का कहना है कि सोया खली की आपूर्ति न के बराबर हो रही थी इसलिए इसका आयात करने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं बचा है।

रणनीति में व्यापक बदलाव के तहत क्रांतिकारी व्यापार मॉडल अपनाएगी आईटीसी

नयी दिल्ली (एजेंसी).

आईटीसी ने अपनी रणनीति में व्यापक बदलाव किया है। कंपनी वृद्धि के अपने नये लक्ष्य के लिए डिजिटल और टिकाऊ रूप से संचालित संरचनात्मक चालकों को स्थापित करने और कंपनी को भविष्य के लिए तैयार करने के उद्देश्य से क्रांतिकारी व्यापार मॉडल तैयार करने के अवसरों का पता लगाएगी। कंपनी के अध्यक्ष संजीव पुरी ने बुधवार को यह जानकारी दी। वीडियो कांफ्रेंस के जरिए आयोजित कंपनी की वार्षिक आम सभा में पुरी ने शेयरधारकों के नाम अपने संदेश में कहा कि कंपनी प्रतिस्पर्धात्मकता के एक नए प्रतिमान को आकार देने, अभिनव व्यापार मॉडल बनाने और नए अवसरों का दोहन करने के लिए अत्याधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकियों में निवेश करके एक गतिशील 'फ्यूचरटेक' उद्यम के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। पुरी ने कहा कि अपने नये लक्ष्य के तहत कंपनी ÷सक्रियता से अस्वभाविक अवसरों की तलाश कर रही है', जबकि उसने अपनी वृद्धि की आकांक्षाओं के असंगत व्यापार वर्गों, जैसे लाइफस्टाइल रिटेलिंग कारोबार, का आकार घटा दिया है और बड़े ब्रांड वाले वृद्धि के मौजूदा मंचों का विस्तार किया जाएगा।

भारी बारिश के कारण खरीफ की बुवाई को लेकर चिंताएं बढ़ी- क्रिसिल रिसर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)।

क्रिसिल रिसर्च ने कहा कि इस साल बेतहाशा बारिश के कारण खरीफ की बुवाई के पैटर्न को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। तदनुसार, जून-अंत से जुलाई के मध्य तक रुकने के बाद, दक्षिण-पश्चिम मानसून ने दीर्घावधि औसत (एलपीए) वर्षा में कमी को 12 जुलाई को 4 प्रतिशत से 8अगस्त को केवल 7 प्रतिशत तक बंद करने के लिए त्वरित किया। इसके अलावा, भारत मौसम विज्ञान विभाग का पूवार्नुमान है कि शेष मौसम के लिए मानसून सामान्य रहेगा।हालांकि, खरीफ की बुवाई को लेकर चिंता मुख्य रूप से वर्षा के असमान वितरण के कारण बनी हुई है। रिकवरी चरण (13 जुलाई से शुरू) के दौरान, देश में 8 अगस्त को एलपीए की तुलना में 2 प्रतिशत कम बारिश हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर-पश्चिम भारत और दक्षिण प्रायद्वीप क्षेत्र में वर्षा की गतिविधि क्रमश- 11 प्रतिशत और 12 प्रतिशत अधिक थी। मध्य और पूर्व और उत्तर-पूर्व क्षेत्रों में क्रमश- 4 प्रतिशत और 20 प्रतिशत कम बारिश हुई। भारी बारिश ने कई किसानों को परेशान किया है। गुजरात, जो कुल मूंगफली और कपास के रकबे का 40 प्रतिशत और 20 प्रतिशत है, और ओडिशा, कुल धान रकबे का 8 प्रतिशत, 43 प्रतिशत के संचयी घाटे में है। इसके विपरीत, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और हरियाणा में अत्यधिक वर्षा हुई है।

वोडाफोन आइडिया ने AGR मामले में रिव्यू के लिए SC में याचिका दाखिल की

नई दिल्ली (एजेंसी):

वोडाफोन आइडिया ने सुप्रीम कोर्ट में एजीआर फैसले के खिलाफ रिव्यू पीटिशन दाखिल किया है। सूत्रों के मुताबिक इस टेलीकॉम कंपनी ने एजीआर बकाए की गणना में हुई गलती को सुधारने के लिए याचना की है। सूत्रों के मुताबिक वोडाफोन आइडिया ने सुप्रीम कोर्ट से 23 जुलाई के उसके आदेश पर पुर्नविचार करने की मांग की है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने वोडाफोन आइडिया सहित भारती एयरटेल द्वारा एजीआर मामले पर दाखिल की गई याचिका को 23 जुलाई को खारिज कर दिया था। इस याचिका में कहा था कि दूरसंचर विभाग ने इन कंपनियों पर बकाया एजीआर की गणना में गणितीय गलती की है और इसमें सुधार किया जाना चाहिए। इन कंपनियों के वकील ने सुप्रीम कोर्ट के सामने दलील रखी थी कि ये कंपनियां पहले से ही घाटे में चल रही है। उस पर भी अगर एजीआर की गणना में हुई गलती को नहीं सुधारा जाता है तो उनकी मुश्किल और बढ़ जाएगी। बता दें कि 50,000 करोड़ रुपए के बकाया की समस्या से जूझ रही वोडाफोन आइडिया के चेयरमैन पद से हाल ही में उद्योग पति कुमार मंगलम बिड़ला ने इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कर्ज से जूझ रही कंपनी को भारत सरकार को सौंपने का प्रस्ताव भी रखा था। बता दें कि वोडाफोन आइडिया की कुल एजीआर लाइबिलिटी 58,254 करोड़ रुपए है। जिसमें से उसने 7,854.3 करोड़ रुपए चुका दिए हैं जबकि 50,399.6 करोड़ रुपए अभी भी बकाया हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मेस्सी पीएसजी से करार को अंतिम रूप देने के लिए फ्रांस पहुंचे

पेरिस । दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएससी) के साथ करार को अंतिम रूप देने के लिए मंगलवार को यहां पहुंच गए। खबरों के मुताबिक अर्जेंटीना के इस 34 साल के खिलाड़ी ने पीएसजी के साथ दो साल के करार के लिए हामी भरी है जिसे आगे बढ़ाने का भी विकल्प है। इस करार की जानकारी रखने वाले सूत्र के मुताबिक मेस्सी को सालाना लगभग 35 मिलियन यूरो (लगभग तीन अरब रुपये) मिलेगा। मेस्सी के पिता एवं एजेंट जॉर्ज ने भी पुष्टि की कि मेस्सी पीएसजी में जा रहे थे। बार्सीलोना का अनुबंध समाप्त होने के बाद मेस्सी फुटबॉल इतिहास में किसी क्लब के लिए उपलब्ध होने वाले सबसे बड़े खिलाड़ी बन गये हैं। पीएसजी के कोच मौरिसियो पोचेटिनो बार्सीलोना से अलग होने के बाद मेस्सी के संपर्क में थे।

लॉर्ड्स टेस्ट

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स का तिलस्म तोड़ना चाहेगी

लंदन (एजेंसी)।

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ यहां लॉर्ड्स मैदान पर गुरूवार से होने वाले दूसरे टेस्ट मुकाबले में इस मैदान पर अपना तिलस्म तोड़ना चाहेगी। भारतीय टीम का इतिहास इस मैदान पर अच्छा नहीं रहा है और उसने यहां अबतक खेले गए 18 टेस्ट मैच में से सिर्फ दो ही मुकाबले जीते हैं। भारत को यहां आखिरी बार 2014 के दौरे पर जीत मिली थी, जो उसे 1986 के बाद 28 वर्षों के पश्चात मिली थी। भारत के शीर्ष बल्लेबाज कप्तान विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा का इस वेन्यू पर रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। कोहली, पुजारा और रहाणे ने लॉर्ड्स मैदान पर दो-दो टेस्ट मैच खेले हैं। कोहली का औसत 16.25, पुजारा का 22.25 और रहाणे का औसत 34.75 का है। रहाणे ने हालांकि, 2014 में शतक जड़ा था। भारत के शीर्ष तीन बल्लेबाजों में छह पारियों पर सिर्फ एक शतक लगाया है, वो भी 2014 में रहाणे के बल्ले से निकला था। भारत को अपनी गेंदबाजी संयोजन पर भी ध्यान देने की जरूरत है। उम्मीद है कि भारतीय टीम चार तेज गेंदबाज और एक स्पिनर के साथ इस मैच में उतर सकती है। हालांकि, इस बात पर संदेह है कि टीम रविचंद्रन अश्विन को खेलाएगी या नहीं। अश्विन का इंग्लैंड में अबतक रिकॉर्ड बेहतर रहा है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तथा काउंटी मैच में बेहतर किया था। लेकिन उन्हें पहले टेस्ट मैच में जगह नहीं दी गई थी जिससे कई क्रिकेटर्स आश्चर्यचकित रह गए थे। भारत की तरफ से शार्दुल ठाकुर दूसरे टेस्ट में उपलब्ध नहीं होंगे और इसकी पुष्टि खुद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने की है। भारत इस मैच में तेज गेंदबाज इशांत शर्मा को मौका दे सकती है, जिन्होंने 2014 में लॉर्ड्स में भारत को मिली जीत में अहम भूमिका निभाई थी। 32 वर्षीय गेंदबाज ने उस मैच में 23 ओवर में 74 रन देकर सात विकेट लिए थे और भारत को 95 रनों से जीत दिलाई थी।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने राज्य के हॉकी खिलाड़ियों को सम्मानित किया

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने टोक्यो ओलंपिक में बेहतरीन प्रदर्शन वाली भारतीय हॉकी टीमों में शामिल राज्य के खिलाड़ियों का यहां कलिंगा स्टेडियम में सम्मान किया। ओडिशा की तरफ से दीप ग्रेस एक्का, नमिता टोप्पो, बीरेंद्र लाकड़ा और अमित रोहिदास शामिल थे। पटनायक ने बीरेंद्र और अमित को ढाई-ढाई करोड़ रूपये ईनाम के रूप में दिए जो भारतीय पुरुष हॉकी टीम में शामिल थे, जिसने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है। मुख्यमंत्री ने उन्हें राज्य पुलिस विभाग में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के रूप में नियुक्ति के लिए प्रस्ताव पत्र भी दिए। पटनायक ने देश के लिए कांस्य पदक जीतने में खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। कार्यक्रम में दीप ग्रेस और नमिता को 50-50 लाख रूपये दिए जो महिला टीम में शामिल थीं। मुख्यमंत्री ने महिला टीम के सेमीफाइनल में पहुंच इतिहास रचने की सराहना की। मुख्यमंत्री ने इनके प्रदर्शन की सराहना करते हुए इन्हें सलाह दी कि टीम ऐसे ही कड़ी मेहनत करती रहे और देश के लिए पदक लाए। पटनायक ने साथ ही भविष्य में भी इन्हें पूरी सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया।

ओलंपिक एथलेटिक्स के 10 जादुई पलों में शामिल हुई नीरज की स्वर्णिम उपलब्धि

नयी दिल्ली, भाला फेंक के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा की ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने की एतिहासिक उपलब्धि को विश्व एथलेटिक्स ने तोक्यो में ट्रैक एवं फील्ड के 10 जादुई पलों में शामिल किया है। तेईस वर्षीय चोपड़ा ने शनिवार को 87.58 मीटर भाला फेंककर देश को एथलेटिक्स में पहला ओलंपिक पदक दिलाया था। वह ओलंपिक खेलों में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। विश्व एथलेटिक्स की वेबसाइट के अनुसार, ''इस खेल को बेहद करीब से जानने वाले ही ओलंपिक खेलों से पहले नीरज चोपड़ा के बारे में जानते थे लेकिन तोक्यो में भाला फेंक की जीत तथा ओलंपिक इतिहास में भारत का एथलेटिक्स में पहला स्वर्ण पदक विजेता बनने के बाद चोपड़ा का नाम हर किसी की जुबान पर चढ़ गया।'' विश्व एथलेटिक्स ने कहा कि ओलंपिक से पहले चोपड़ा के इंस्टाग्राम पर 143,000 फालोअर्स थे लेकिन अब उनके 32 लाख फालोअर्स हो गये हैं। इससे वह विश्व में ट्रैक एवं फील्ड के ऐसे एथलीट बन गये हैं जिनके सबसे अधिक फालोअर्स हैं। जिम्नास्ट की दिग्गज नादिया कोमानेची उन पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने ट्विटर पर चोपड़ा को बधाई दी।

कोविड-19 महामारी के कारण कोरिया ओपन और मकाऊ ओपन रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए कोरिया ओपन और मकाऊ ओपन को बुधवार को रद्द कर दिया। बैडमिंटन की वैश्विक संचालन संस्था बीडब्ल्यूएफ ने चीन में होने वाली विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप को भी स्थगित कर दिया है। सुपर 500 प्रतियोगिता कोरिया ओपन (31 अगस्त से पांच सितंबर) के साथ बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर बहाल होना था जिसे मार्च में आल इंग्लैंड चैंपियनशिप के बाद निलंबित कर दिया गया था। दूसरी तरफ मकाऊ ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट का आयोजन दो से सात नवंबर तक होना था। बीडब्ल्यूएफ ने विज्ञप्ति में कहा, 'कोरिया मास्टर्स 2021 जिसे पहले स्थगित टूर्नामेंटों की सूची में डाला गया था, उसे अब रद्द कर दिया गया है। मौजूदा कोविड-19 पाबंदियों और जटिलताओं के कारण स्थानीय आयोजकों के सामने टूर्नामेंट रद्द करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। विज्ञप्ति के अनुसार, 'बीडब्ल्यूएफ 2021 के बाकी टूर्नामेंटों का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजन को लेकर अब भी प्रतिबद्ध है जिससे खिलाड़ियों को आगामी महीने में सुरक्षित माहौल में महत्वपूर्ण विश्व रैंकिंग अंक और इनामी राशि जीतने का मौका मिलेगा।' बीडब्ल्यूएफ ने साथ ही जर्मनी के सारब्रुकेन में होने वाले सारलोरलक्स ओपन (दो से सात नवंबर) का दर्जा बढ़ाकर इसे विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट करने और इसका नाम हाइलो ओपन 2021 करने का फैसला किया। बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि पहले स्थगित किए जा चुके मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट और मलेशिया ओपन सुपर 750 के आयोजन को लेकर फैसला बाद में किया जाएगा। इससे पहले वैश्विक स्वास्थ्य संकट के कारण चीन ओपन (21-26 सितंबर), जापान ओपन (28 सितंबर से तीन अक्तूबर), फुझोऊ चीन ओपन (नौ से 14 नवंबर) और हांगकांग ओपन (16-21 नवंबर) जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों को रद्द किया जा चुका है। जूनियर सर्किट में बीडब्ल्यूएफ ने विश्व जूनियर चैंपियनशिप को स्थगित कर दिया है जिसकी मेजबानी चीन को चार से 17 अक्तूबर तक करनी थी।

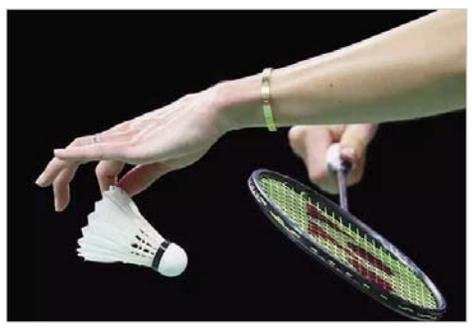

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड और भारत पर धीमी ओवर रेट को लेकर लगा जुर्माना, काटे गए डब्ल्यूटीसी से दो अंक

लंदन। नॉटिंघम में पहले टेस्ट के बाद इंग्लैंड और भारत पर धीमी ओवर गति को लेकर मैच फीस का 40 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और साथ ही उनके विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दो अंक भी कम कर दिए गए हैं। इस मैच से 2023 तक चलने वाले नए डब्ल्यूटीसी कार्यक्रम की शुरुआत भी हुई है। यह जुमार्ना आईसीसी मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने लगाया है। अनुच्छेद 16.11.2 के अनुसार, एक टीम को प्रत्येक ओवर शॉर्ट के लिए दो अंक का दंड दिया जाता है। लॉर्ड्स में गुरुवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले दोनों टीमों के अब दो-दो अंक हो गए हैं। ट्रेंट ब्रिज में भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट ड्रॉ रहा था। भारत को खेल के अंतिम दिन जीत के लिए 157 रनों की आवश्यकता थी पर बारिश के चलते पूरे दिन के खेल को रद्द करना पड़ा था।

द. अफ्रीका महिला टीम की मेजबानी करेगा विंडीज

एंटीगा। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम के बीच 31 अगस्त से यहां तीन मैचों की टी20 और पांच मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। पाकिस्तान के साथ पिछले महीने हुई सफल सीमित ओवरों की सीरीज के बाद वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों के मैचों की मेजबानी की घोषणा की है। आईसीसी महिला विश्व कप क्वालीफायर्स की तैयारियों को देखते हुए यह सीरीज काफी अहम होगी। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के लिए यह सीरीज अपने खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा का टेस्ट करने का अवसर होगी क्योंकि टीम पहले ही विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी है जबकि विंडीज के लिए यह सीरीज अगले साल न्यूजीलैंड में होने वाले विश्व कप में जगह पक्की करने में मददगार साबित हो सकती है। वेस्टइंडीज इस सीरीज को देखते हुए मुख्य कोच कोर्टनी वॉल्श के नेतृत्व में हाई परफॉरमेंस ट्रेनिंग कैंप आयोजित करेगी।

श्रीजेश का कोच्चि पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

कोच्चि (एजेंसी) ।

तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश का मंगलवार शाम यहां कोचिन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर भव्य स्वागत किया गया। केरल सरकार द्वारा आयोजित स्वागत स्वागत समारोह का नेतृत्व खेल मंत्री वी अब्दुरहिमान ने किया, जिसमें राज्य खेल परिषद के अध्यक्ष मर्सी कुट्टन, विधायक पीवी श्रीनिजान और जिला कलेक्टर जफर मलिक सहित अन्य लोग शामिल थे। श्रीजेश का परिवार, उनके माता-पिता, पी वी रवीन्द्रन और उषाकुमारी, पत्नी पीके अनीश्य और बच्चे अनुश्री और श्रीअंश घर में उनका स्वागत करने के लिए मौजूद थे। श्रीजेश ने घर पहुंचते हुए अपना पदक पिता के गले में डाल दिया। इसके बाद उन्हें मंत्री के साथ एक खुली जीप में किझाक्कम्बलम स्थित उनके आवास पर ले जाया गया। अपने गृहनगर में एक स्वागत कार्यक्रम के बाद, श्रीजेश ने मीडिया से कहा कि वह वास्तव में बहुत खुश है कि उनका इतना भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने कहा, 'यह पदक सभी के लिए ओणम का उपहार है।' उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस उपलब्धि के बाद अधिक अभिभावक अपने बच्चों को हॉकी खेलने की अनुमति देंगे। राज्य सरकार से पुरस्कार के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'एक खिलाड़ी के रूप में, एक हॉकी खिलाड़ी के तौर पर, मेरी सबसे बड़ी महत्वाकांक्षा ओलंपिक में पदक जीतने की थी और वह मुझे मिल गया। मुझे विश्वास है कि राज्य सरकार हमारी जीत और पदक को मान्यता देगी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 41 साल बाद ओलंपिक पदक जीतकर इतिहास रचा है। जर्मनी के खिलाफ कांस्य पदक के प्लेऑफ मुकाबले के आखिरी क्षणों में श्रीजेश ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार बचाव कर टीम को 5-4 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

श्रेयस अय्यर प्रतिस्पर्धी मैचों में खेलने के लिए फिट, आईपीएल में करेंगे वापसी

नई दिल्ली । भारत के प्रतिभाशाली बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) ने प्रतिस्पर्धी मैचों में वापसी करने के लिए पूरी तरह से फिट घोषित कर दिया है और वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सितंबर से शुरू होने वाले दूसरे चरण में खेलने के लिए तैयार हैं। अय्यर फिर से दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ेंगे जिसने उनकी अगुवाई में 2020 में पहली बार फाइनल में जगह बनाई थी। उनके चोटिल होने के बाद 2021 में ऋषभ पंत ने टीम की कप्तानी की थी। आईपीएल को जैव सुरक्षित वातावरण में कोविड-19 के मामले पाये जाने के कारण बीच में स्थगित कर दिया गया था। छब्बीस वर्षीय अय्यर ने अभी तक भारत की तरफ से 22 वनडे और 29 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पुणे में 23 मार्च को एकदिवसीय मैच के दौरान उनका कंधा खिसक गया था जिसका उन्हें ब्रिटेन में आपरेशन करवाना पड़ा था। बीसीसीआई सूत्रों ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'हां, एनसीए ने श्रेयस को फिटनेस प्रमाणपत्र दे दिया है। वह एक सप्ताह तक बेंगलुरू स्थित एनसीए में रहे और कुछ दिन पहले ही उनकी फिटनेस का आकलन किया गया। चिकित्सा और शारीरिक मानदंडों को परखने के बाद वह अब मैचों में खेलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'उन्हें बेहतर समय में फिटनेस प्रमाणपत्र मिला है क्योंकि भारत को दो महीने में टी20 विश्व कप में खेलना है। अय्यर की वापसी से भारतीय टी20 टीम में मध्यक्रम में अधिक विकल्प मौजूद हो गए हैं लेकिन अभी दिल्ली कैपिटल्स के प्रबंधन पर निगाह टिकी है कि वह आईपीएल में टीम की कप्तानी किसे सौंपता है।

विलियम्स बहनें और केनिन सिनसिनाटी टूर्नामेंट से बाहर

सिनसिनाटी । सेरेना विलियम्स, वीनस विलियम्स और सोफिया केनिन मंगलवार को सिनसिनाटी ओपन (वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन) टेनिस टूर्नामेंट से हट गई। सेरेना और केनिन चोटिल हैं लेकिन वीनस विलियम्स के हटने के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। इससे पहले पुरुष वर्ग में रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच ने शनिवार से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया था। सेरेना ने दायें पांव में चोट के कारण 29 जून को विंबलडन में अपने पहले दौर के मैच से हटने के बाद कोई मैच नहीं खेला है। केनिन ने कहा कि उनका पांव चोटिल है लेकिन उनके इस महीने के आखिर में शुरू होने वाले यूएस ओपन तक फिट होने की संभावना है।

द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट में दीप्ति ने अपनी टीम को जीत दिलाई

लंदन।

भारतीय महिला क्रिकेटर दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड में खेले जा रहे द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट में अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। दीप्ति की टीम लंदन स्पिरिट ने मैनचेस्टर ऑरिजिनल्स को 5 विकेट से हराया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मैनचेस्टर ऑरिजनल्स ने 100 गेंदों पर 5 विकेट पर 127 रन बनाए। दीप्ति ने 20 गेंदों में 10 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके बाद दीप्ति की शानदार बल्लेबाजी से लंदन स्पिरिट ने दो गेंद पहले ही लक्ष्य हासिल कर लिया। दीप्ति ने नाबाद 34 रन बनाये। दीप्ति को अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच का भी इनाम मिला। इस मैच में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स की कप्तान केट क्रॉस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। एमा लम्ब और लिजेल ली की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 30 रन बनाये। एमा ने 30 गेंदों में 5 चौके और 1 छक्के की मदद से 39 रनों की पारी खेली। उनके अलावा मिगनोन डू प्रीज ने 27 गेंद पर 5 चौके की सहायता से 31 रन बनाए। यह विकेट भी दीप्ति ने ही लिया। अंतिम क्षणों में सोफी एक्लेसटोन ने 26 गेंद पर 2 चौके और 2 छक्के की मदद से नाबाद 32 रनों की पारी खेलकर टीम को 127 के स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए लंदन स्पिरिट की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट बिना खाता खोले आउट हो गईं।

नाओमी दत्तानी भी सिर्फ 11 रन ही बना पाईं। इसके बाद कप्तान हीथर नाइट और डींड्रा डॉटिन ने तीसरे विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी कर टीम को संभाला। हीथर नाइट ने 26 गेंद पर 5 चौके की मदद से 35 रन बनाए और डॉटिन ने 23 गेंद पर 3 चौके और 1 छक्के की मदद से 28 रनों की पारी खेली।

एक समय टीम ने 87 के स्कोर पर पांच विकेट खो दिये पर इसके बाद दीप्ति शर्मा और चार्लोट डीन ने शानदार बल्लेबाजी कर टीम को जीत दिलाई।

भारतीय कुश्ती संघ ने विनेश फोगट को अस्थायी रूप से किया निलंबित

स्पोर्ट्स डेस्क । भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने टोक्यो ओलंपिक अभियान के दौरान अनुशासनहीनता के लिए स्टार पहलवान विनेश फोगट को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। महासंघ ने विनेश को तीन मामलों में नोटिस जारी किया है और उनके पास नोटिस का जवाब देने के लिए 16 अगस्त तक का समय है। बेलारूस की वेनेसा कलादजिंस्काया से हारने के बाद ओलंपिक से बाहर होने वाली विनेश ओलंपिक खेल गांव में नहीं रहीं। उन्होंने टीम प्रायोजक के लोगो के साथ कुश्ती सिंगलेट पहनने से इनकार कर दिया और व्यक्तिगत प्रायोजक नाइक के लोगो वाली पोशाक के साथ एकल में प्रतिस्पर्धा की। विनेश ने एक फिजियोथेरेपिस्ट को अपने और अन्य एथलीटों के साथ खेलों में जाने की अनुमति नहीं दिए जाने पर नाराजगी व्यक्त की थी। विनेश ने पिछले महीने ट्वीट किया था कि क्या चार महिला पहलवानों के लिए एक फिजियोथेरेपिस्ट के लिए पूछना अपराध है जब एक एथलीट के कई कोच / स्टाफ होने के उदाहरण हैं? एक समाचार एजेंसी ने कहा कि हंगरी से टोक्यो की यात्रा करने वाली विनेश ने भी हंगामा किया, जब उसे भारत के साथियों सोनम मलिक, अंशु मलिक और सीमा बिस्ला के कमरों के पास एक कमरा आवंटित किया गया था। फोगट ने तर्क दिया कि वह कोविड-19 के सम्पर्क में आ सकती हैं क्योंकि इन पहलवानों ने भारत से टोक्यो की यात्रा की थी। विनेश खेलों में भारत की पदक की दावेदारों में से एक थीं लेकिन उन्हें बेलारूस की कलादजिंस्काया के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा। सोनम मलिक को भी नोटिस जारी किया गया था। वह अपने पहले ओलंपिक खेलों से बिना पदक के लौटीं।

आस-पास भी बहुत कुछ

ऊटी व आस-पास घूमने के लिए हमने एक दिन के लिए छोटी बस किराये पर ली थी। मानसून में ऑफ सीजन होता है, तो हमें यह बेहद कम दाम में उपलब्ध हो गई। ऊटी में तो हम जगह-जगह घूमे ही, ऊटी के आस-पास भी बहुत-से ऐसे स्थान थे जहां जाकर हम रोमांचित हुए बिना नहीं रह सके। पहले जिक्र करते हैं ऊटी से आठ किलोमीटर दूर और समुद्र तल से 2623 मीटर की ऊंचाई पर स्थित डोडाबेटा शिखर की। यहां पूर्वी व पश्चिमी घाटों का मिलन होता है। यहां से नीलगिरी पहाडियों का अकल्पनीय दृश्य नजर आता है। डोडाबेटा शिखर शोला वनों से घिरा है। पर्यटन विभाग ने यहां एक दूरबीन भी लगा रखी है।

यूं लगा जन्नत में है ऊटी

मुन्नार की मखमली खूबसूरती से तीन दिन तक रू-ब-रू रहने के बाद हमारी टोली ऊटी के लिए रवाना हुई तो एक उदासी-सी मन में थी। एक तो जन्नत जैसे मुन्नार से हम विदा ले रहे थे जहां से वापस आने का दिल शायद ही किसी का करे। दूसरे, मन में यह सवाल बार-बार सिर उठा रहा था कि मुन्नार को देखने के बाद ऊटी कहीं फीका लगा और अगले दो दिन बेकार चले गए, तो? मुन्नार से कोयम्बटूर और वहां से आगे ऊटी जाने के लिए यूं तो अच्छी सडक है, पर चूंकि टोली में आठ-दस बच्चे और कुछ महिलाएं भी थीं, तो बेहतर यही था कि सडक के मुश्किल सफर के बजाय ऊटी तक की दूरी ट्रेन से तय की जाए। इस फैसले की वजह मेट्टूपालयम से ऊटी तक घुमावदार पहाडी रास्तों पर रेंगने वाली टॉय ट्रेन भी थी जो खासकर बच्चों के लिए मजेदार अनुभव होता।

एक सफर में दो रंग

ऊटी तक के ट्रेन के इस सफर को हम दो हिस्सों में बांट सकते हैं। पहला, मेट्टूपालयम से कुन्नूर। यहां ट्रेन स्टीम इंजन से चलती है। स्टीम इंजन है तो जाहिर है ट्रेन की चाल भी बेहद धीमी रहती है। कुन्नूर तक चढाई ज्यादा तीखी है जिसे स्टीम इंजन अपनी कछुआ चाल से बडी आसानी से तय कर लेता है। पूरा रास्ता चट्टानी है, रास्ते में ऊंचे पेड हैं और अनेक छोटे-बडे पुल भी। कुन्नूर इस रेलखंड का एक अहम स्टेशन है जहां गाडी काफी देर रुकती है। खाने-पीने के यहां बेहतर बंदोबस्त हैं। कुन्नूर में ट्रेन स्टीम इंजन का दामन छोडकर डीजल इंजन को अपना सारथी बनाती है, और शुरू हो जाता है सफर का दूसरा हिस्सा जो कहीं ज्यादा सुकून देने वाला है। कह सकते हैं कि ऊटी का असल रंग दिखना यहीं से शुरू होता है। चाय के तराशे हुए बौने पौधे ऊंचे पेडों की जगह ले लेते हैं। अभी तक जो गहरा हरा रंग आंखों तक पहुंच रहा था, उस पर लगता है जैसे प्रकृति ने दिल खोलकर धूप मसल दी हो। चारों तरफ खिली हुई हरियाली.. मन को प्रफुल्लित करती हरियाली। और इस हरियाली के बीच गर्व से सिर उठाए खडे छोटे-छोटे घर.. एक अलग ही दृश्य है यह, जो एक बार दिल पर छप गया तो फिर कभी धूमिल होने वाला नहीं।

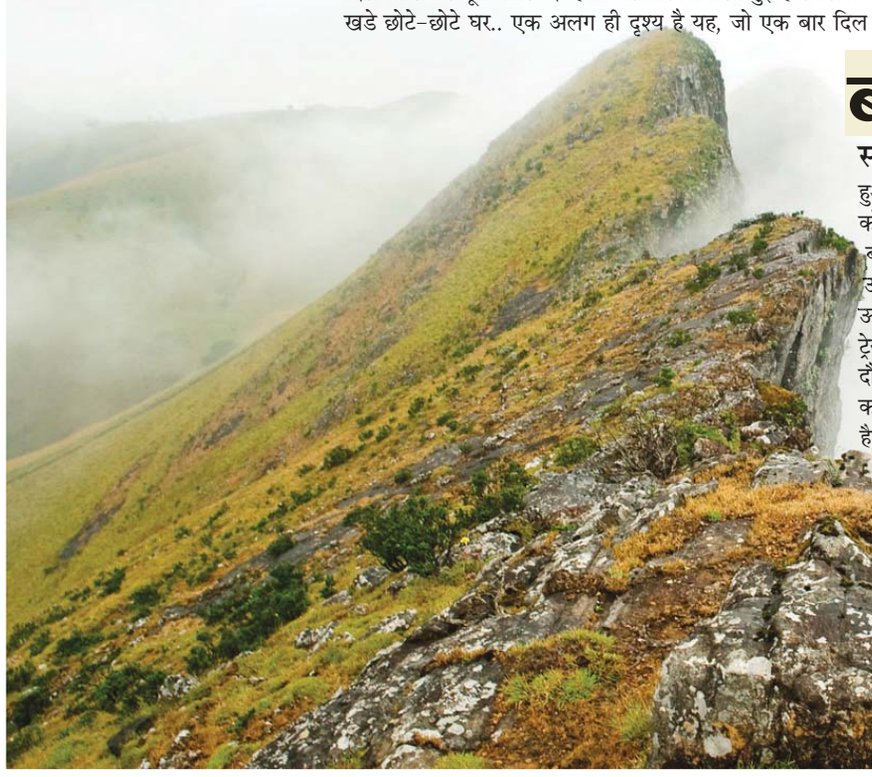

बादलों का है अलग रिश्ता

समुद्र तल से 2240 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ऊटी अंग्रेजों का समर रिजॉर्ट हुआ करता था। मूल रूप से यह इलाका टोडा जनजाति का घर है। उन्होंने अंग्रेजों को अपनी जमीन का एक बडा हिस्सा दे दिया था, जिस पर अंग्रेजों ने शहर बसाया। इस इलाके का असल नाम ऊटकमंड है, इसी को अंग्रेजों ने छोटा करके ऊटी कर दिया। हालांकि, अब शहर का आधिकारिक नाम उदगमंडलम है जो ऊटकमंड का तमिलीकरण है। पांच घंटे के सफर के बाद दिन में करीब 12 बजे ट्रेन उदगमंडलम स्टेशन पर जा लगी तो बूंदाबांदी हो रही थी। हम लोग मानसून के दौरान वहां गए थे। इस मौसम में बादलों का दिल कब हो जाए ऊटी को भिगोने का, कह नहीं सकते। बादलों का ऊटी से अलग ही रिश्ता है। जब-जब दिल करता है, ये बादल किसी बेसब्र प्रेमी की तरह आकर ऊटी को अपने आगोश में ले लेते हैं। इसका प्रमाण ऊटी की गोद में विचरण करते वक्त मिला। बादल चेहरे पर आ-आकर ठहरते और पानी के कण गालों पर छोडकर आगे निकल जाते। बारिश मुन्नार में भी खूब देखी हमने.. वहां भी बादल पहाडों व पेडों के साथ अठखेलियां करते दिखे। लेकिन वहां के अप्रतिम सौंदर्य को बादल अपने आलिंगन में नहीं लेते। मानो, कोई झिझक उन पर तारी रहती हो। लेकिन ऊटी में समीकरण अलग है। यहां बादल आएंगे तो पहले प्यार में डूबकर हर गोशे को छुएंगे और फिर भावुक होकर बरस पडेंगे।

खूबसूरत शहर

ऊटी की सुंदरता की किसी और जगह से तुलना बेमानी है। नीलगिरी की गोद में एक चुप्पी ओढे शहर की तस्वीर पेश करता है यह। बडे नाम वाले हिल स्टेशनों के मुकाबले जिंदगी बहुत तेज नहीं है यहां। ऊंचाई से देखो तो अंग्रेजी स्टाइल में बने घरों की छटा अलग ही है। घरों के जमावडे के बीच से झांकता वहां का मशहूर रेसकोर्स.. इसके अलावा हरे-भरे बाग, झील, गोल्फ कोर्स, स्टेशन परिसर.. हमने ऊटी का यह विहंगम नजारा डोडाबेटा टी फैक्टरी की बालकनी से देखा। यह दक्षिण भारत में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर बनी टी-फैक्टरी है। पांच रुपये की टिकट पर चाय बनाने की प्रक्रिया यहां देख सकते हैं। ताजा चाय की महक में तलब लगना लाजिमी है। लीजिए, इलायची वाली चाय का कप भी हाजिर है आपके लिए। चुस्की लीजिए और तर-ओ-ताजा हो जाइए। यहां कई तरह की चाय बिक्री के लिए भी उपलब्ध है। हमारे साथियों ने कितनी खरीदारी की यहां, इसका पता बाहर आकर चला जब हरेक के हाथ में दो-दो थैले झूलते नजर आए।

लोकेशन

छुक-छुक रेलगाडी

मुन्नार को अलविदा कहकर हम बस से कोच्चि पहुंचे, जहां से कोयम्बटूर और फिर आगे मेट्टूपालयम तक हमें ट्रेन से जाना था। मेट्टूपालयम कस्बा कोयम्बटूर से 35 किलोमीटर की दूरी पर है और यहां तक बडी लाइन की ट्रेनें जाती हैं। सफर का असल रोमांच मेट्टूपालयम से शुरू होता है जहां से नैरोगेज लाइन पर चार डिब्बों वाली ट्रेन ऊटी के लिए निकलती है। नीलगिरी पहाडियों में चीड के पेडों के बीच से मंद गति से तय होता यह सफर बेहतरीन कुदरती नजारे हमारे सामने पेश कर रहा था। कहीं ऊंचाई से गिरते पानी का शोर था, कहीं पहाडों ने अपने हरे चोगे पर सफेद बादल कंगन की तरह टांग रखे थे, तो कहीं सांप की तरह रेंगती सडक हमसे आ मिलने को बेताब दिख रही थी। रास्ते में प्रहरी की तरह खडे ऊंचे पेड और कुछ पलों के लिए ट्रेन को निगल लेने वाली सुरंगें हमारे रोमांच को दूना करने में कोई कसर नहीं छोड रहे थे। जैसे ही ट्रेन सुरंग के अंधेरे में समाती, यात्रियों का जोशभरा शोर उस अंधेरे पर भारी पडता दिखता। इस पूरे सफर के दौरान दिक्कत थी तो सिर्फ एक, और वो यह कि इस छुटकी-सी ट्रेन में बैठने की जगह बेहद तंग थी। लेकिन इस दौरान अगर आप खुद को कुदरत के मोहपाश में जकडे रहने देते हैं तो इस दिक्कत का एहसास ही नहीं होता।

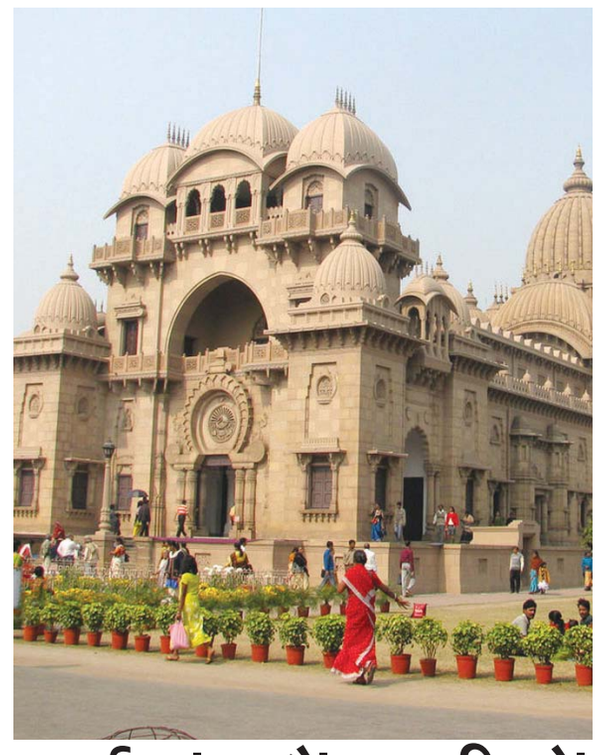

कई रंग हैं ऊटी में

हमारे सामने ऊटी शहर अपने विविध रंगों को लेकर शान से खडा था। घूमने-फिरने के लिए ऊटी में और इसके आस-पास कई जगहें हैं। ऊटी की बात करें तो सबसे पहले जिक्र झील का आएगा। स्टेशन से दो किलोमीटर की दूरी पर मौजूद इस कृत्रिम झील पर सैलानियों तथा छुट्टी बिताने आए स्थानीय लोगों की भीड हमें नजर आई। 190 साल पहले यह झील जॉन सुलिवन ने बनवाई थी। यहां पर नौका विहार का आनंद लेने से हम खुद को नहीं रोक पाए। नाव में आधे घंटे तक झील की सैर के दौरान कितने ही प्यारे-प्यारे नजारों ने हमें बांधे रखा। यहां नौका विहार के अलावा मनोरंजन के अन्य साधन भी हैं, खासकर बच्चों के लिए। टॉय ट्रेन आपको झील के किनारे-किनारे चक्कर कटाकर लाती है तो लेक गार्डन में थोडी देर सुस्ताना सारी थकान भगा देगा। इसके अलावा, खाने-पीने व शॉपिंग के भी यहां खासे विकल्प नजर आए। झील के पास ही ऊटी का मशहूर थ्रेड गार्डन है, जहां धागे से रंग-बिरंगे फूल बनाए जाते हैं। यहां की खासियत है कि फूलों को हाथ से बनाया जाता है और इन्हें बनाने में सुई का इस्तेमाल भी नहीं होता। इसके अलावा, दुनियाभर में मशहूर बॉटेनिकल गार्डन यहां है जहां हजारों प्रजातियों के पेड-पौधे हैं। 22 एकड में फैले इस गार्डन में हर साल मई में होने वाले फ्लावर शो में बडी तादाद में लोग पहुंचते हैं। यहां एक अन्य आकर्षण एक पेड का करीब दो करोड साल पुराना जीवाश्म है। बॉटेनिकल गार्डन के पास ही चिल्ड्रन पार्क है। यहां जाएंगे तो लगेगा कि मखमल का कोई गलीचा आपके सामने बिछा हुआ है। बच्चों का दिल अगर यहां से आने को न करे तो इसमें उनका कोई कुसूर नहीं। ऊटी का एक अन्य आकर्षण छह एकड में फैला रोज गार्डन है। यह विजयनगरम इलाके में एल्क हिल की ढलान पर है जहां गुलाब के 17,000 से ज्यादा पौधे हैं। तभी तो इसे देश का सबसे बडा रोज गार्डन होने का गौरव हासिल है। इसके अलावा, गोल्फ कोर्स व रेस कोर्स की हरियाली वहां जाने वाले को अपने जादू में बांध लेने के लिए काफी है।

वेनलॉक का जादू

टोडा जनजाति के घरों को तो हमने दूर से देखा, लेकिन वेनलॉक के नैसर्गिक सौंदर्य को हम अपने भीतर भरकर ले लाए। सफेद बादलों में लिपटी चटख हरे रंग की पहाडियां.. हर बार पलकें उठाते ही भीतर एक पूरी दुनिया आबाद हो रही थी, और हर सांस के साथ मानो अमृत घुलता जा रहा था शरीर में। यह स्थान ऊटी से छह मील व नौ मील के बीच स्थित है। स्थानीय लोग बोलचाल में इसे फिल्म शूटिंग पॉइंट कहते हैं। चाय की खेती होने से पहले नीलगिरी पर्वतमाला की हर पहाडी ऐसी ही होती थी। हल्की ढलान वाली इन बल खाती हुई पहाडियों की तुलना ब्रिटेन के यॉर्कशर डेल्स से की जाती है। पहले तो हमने सोचा कि बारिश में कौन चढेगा पहाडी के ऊपर, चलो रहने देते हैं। लेकिन फिर हिम्मत की तो ऊपर जाकर पता चला कि हमसे क्या छूटने जा रहा था। एक पहाडी की ढलान दूसरी पहाडी की ढलान में मिल रही थी। दूर तक जन्नत के सिवा कुछ नहीं था। ये क्या! अभी-अभी जो जगह साफ दिख रही थी, उसे अचानक सफेद जलकणों ने ढक लिया था। ठंड से हम कांप रहे थे और कानों के सिरे लाल हुए जा रहे थे।

लेकिन यकीन मानिए, वहां से वापस आने के लिए मन को समझाना मुश्किल हो रहा था। हमारे सामने जो था, वो किसी स्वप्न से कम नहीं था। हमारा ऊटी आना सफल हो गया।

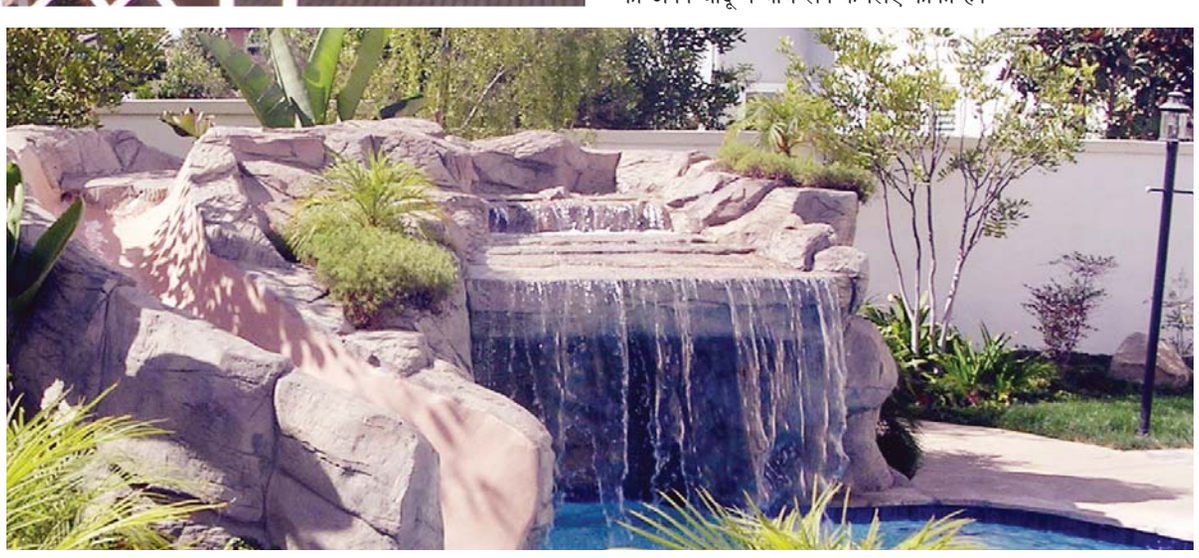

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पाकिस्तान में 8 साल के हिंदू बच्चे को मिल सकती है मौत की सजा! ईशनिंदा के तहत दर्ज हुआ केसं

कराची। पाकिस्तान में आठ साल के हिंदू बच्चे के खिलाफ पहली बार ईशनिंदा के तहत मामला दर्ज किया गया है। बता दें कि इस बच्चे को मौत की सजा सुनाई जा सकती है। कोर्ट ने बच्चे को जमानत दे दी थी जिसके विरोध में हीम यार खान जिले में कट्टरपंथियों की भीड़ ने हिंदू मंदिर पर हमला कर दिया था। मिरर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे पर आरोप है कि उसने मदरसे की लाइब्रेरी में पेशाब कर दिया था जिसके कारण उसे गिरफ्तार कर लिया गया और जेल में एक हफ्ते तक रखा गया। बता दें कि जब से हिंदु मंदिर में हमला हुआ है तभी से हिंदु समुदाय में डर का माहौल पैदा हो गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार बच्चे के परिवार ने बताया कि बच्चे को ईशानिंदा के बारे में कुछ नहीं पता हैऔर उसे गलत तरीके से इस मामले में फंसाया जा रहा है। पारिवार ने बताया कि, बच्चे को पता ही नहीं है की उसका अपराध क्या है और उसे जेल में एक हफ्ते के लिए क्यों रखा गया था।

ईरान में कोरोना का कहर, टीकाकरण की धीमी गति से भड़क रहा लोगों में गुस्सा

दुबई। ईरान कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के सबसे बुरे प्रकोप से गुजर रहा है और टीका नहीं लगवा पा रहे लोगों का गुस्सा टीका लगवा चुके पश्चिम के लोगों की बिना मास्क वाली तस्वीरें टीवी पर या इंटरनेट पर देख-देख कर भड़क रहा है। ईरान, दुनिया के अधिकांश हिस्सों की तरह, अमेरिका जैसे देशों के मुकाबले अपनी जनता को टीका लगाने में बहुत पीछे है, देश के आठ करोड़ से अधिक लोगों में से केवल 30 लाख को ही टीके की दोनों खुराकें लगी हैं। लेकिन जहां कुछ देशों को टीके प्राप्त करने में गरीबी या अन्य चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, वहीं ईरान कुछ समस्याओं के लिए स्वयं जिम्मेदार है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई द्वारा पश्चिमी देशों से टीकों का दान स्वीकार करने से इनकार करने के बाद, इस्लामी गणराज्य ने टीकों का घरेलू स्तर पर उत्पादन करना चाहा, हालांकि यह प्रक्रिया अन्य देशों से बहुत पीछे है।

इस्लामी देशों के पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है पाकिस्तान: इमरान खान

कराची। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान में इस्लामी देशों के पर्यटकों को आकर्षित करने की काफी संभावनाएं हैं क्योंकि यूरोप जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर मुस्लिम विरोधी रुख बढ़ रहा है। कराची की एक दिवसीय यात्रा के दौरान एक समारोह को संबोधित करते हुए खान ने कहा कि सरकार की योजना ऐसे रिसॉर्ट बनाने की है जो इस्लामी देशों के पर्यटकों को आकर्षित करे। उन्होंने कहा, ''पहले दुनिया में कई ऐसी जगहें थीं जहां हमारे लोग छुट्टियां बिताने जाया करते थे, जिनमें यूरोप भी शामिल है। लेकिन जब से मुस्लिमों के प्रति उनका रुख बदला है तो उन्हें अब इसकी वजह से बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वे अपनी पत्नियों और बच्चों को वहां नहीं ले जाना चाहते। ऐसे में पाकिस्तान जैसी जगह में काफी संभावनाएं हैं।

कैलिफोर्निया में फैलती जा रही है भयानक आग, करीब 900 मकान तबाह, लोगों को बचाने की जद्दोजहद जारी

ग्रीनविले। कैलिफोर्निया में इतिहास की अब तक की सबसे भयंकर आग फैलती ही जा रही है और इस में सैकड़ों मकान तबाह हो गए हैं।दमकलकर्मी ग्रामीण समुदायों को बचाने में लगे हुए हैं। जंगल में फैल रही आग से मंगलवार को करीब 900 मकान और अन्य इमारतें क्षतिग्रस्त हो गयी। 'डिक्सी फायर' से उत्तरी सिएरा नेवादा में 12 से अधिक छोटे पर्वतीय और ग्रामीण समुदायों में 14,000 से अधिक इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। इसे 'डिक्सी फायर' नाम उस सड़क के नाम पर दिया गया है जहां आग लगनी शुरू हुई थी। कुछ हिस्सों में आसमान साफ रहने के कारण इस हफ्ते बचाव कार्य में विमान से करीब 6,000 दमकलकर्मी शामिल हुए। दमकल विभाग के प्रवक्ता एडविन जुनिगा ने कहा, ''हम उड़ान भर सकते हैं या नहीं, यह काफी हद तक धुएं पर निर्भर करता है। कुछ इलाके हैं जहां बहुत ज्यादा धुआं है।'' दमकलकर्मी रिच थॉम्पसन ने सोमवार शाम को आगाह किया कि अगले कुछ दिनों में तापमान बढ़ने की संभावना है।

क्या मालदीव के भारत विरोधी अभियान में है चीन का हाथ ?

मालदीव में भारत विरोधी भावनाओं को खूब बल मिल रहा है। कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर भारत विरोधी कैंपेन चलाया जा रहा है। हालांकि भारत ने भी समय-समय पर अपना विरोध दर्ज कराया है। इसके अलावा भारतीय उच्चायुक्त को मालदीव से सुरक्षा की भी मांग करनी पड़ी थी।

चीन का हाथ शामिल !

अंग्रेजी समाचार वेबसाइट 'द टाइम्स ऑफ इंडिया' के मुताबिक पूर्व राजनयिक विष्णु प्रकाश ने बताया कि भारत के खिलाफ चल रहा अभियान राजनीति से प्रेरित है। इसके पीछे विदेशी ताकतों को भी हाथ है। मालदीव में लगातार मीडिया के माध्यम से भारत के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक विशेषज्ञों का मानना है कि मालदीव में भारत के खिलाफ चल रहा अभियान राजनीतिक रूप से प्रेरित है। यहां तक कहा जा रहा है कि इसमें चीन का भी हाथ शामिल हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व राजनयिक ने बताया कि मालदीव के कई नेताओं के चीन के साथ अच्छे संबंध हैं। उन्होंने बताया कि मालदीव भारत का अच्छा दोस्त है। भारत ने कई विकास परियोजनाओं पर उनकी मदद की है। हालांकि वहां के कई नेता भारत विरोधी भी हैं।

भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर टाइम्स स्क्वायर पर फहराया जाएगा अब तक का सबसे बड़ा तिरंगा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

भारत के स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, अमेरिका में एक प्रमुख भारतीय प्रवासी संगठन 15 अगस्त को यहां टाइम्स स्क्वायर पर अब तक का सबसे बड़ा तिरंगा फहराएगा। फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन - न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और कनेक्टिकट, 15 अगस्त को टाइम्स स्क्वायर पर तिरंगा फहराने के साथ शुरू होने वाले दिन भर के समारोहों की मेजबानी करेंगे। टाइम्स स्क्वायर पर पहला भारत दिवस बिलबोर्ड 24 घंटे के लिए प्रदर्शित किया जाएगा, एम्पायर स्टेट बिल्डिंग को भारतीय तिरंगे के रंगों में रौशन किया जाएगा और दिन का अंत हडसन नदी पर एक शानदार क्रूज के साथ होगा जिसमें शीर्ष सरकारी अधिकारी, विशिष्ट अतिथि और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्य भाग लेंगे। फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन (एफआईए) ने पिछले साल देश के स्वतंत्रता दिवस पर टाइम्स स्क्वायर पर भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। यह पहली बार था जब न्यूयॉर्क शहर के प्रतिष्ठित गंतव्य पर भारतीय तिरंगा फहराया गया था।

एफआईए के अध्यक्ष अंकुर वैद्य ने कहा कि संगठन का इरादा टाइम्स स्क्वायर पर हर साल तिरंगा फहराने का है क्योंकि इस आयोजन का अपना महत्व है। वैद्य ने पीटीआई-को बताया, 'हम इस परंपरा को जारी रखना चाहते हैं। इस साल हम, टाइम्स स्क्वायर पर जो तिरंगा फहराएंगे वह यहां फहराए गए अब तक के तिरंगों में सबसे बड़ा होगा।' तिरंगा 6 फुट लंबा और 10 फुट चौड़ा होगा। पोल की ऊंचाई 25 फुट है।

न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत रणधीर जायसवाल तिरंगा फहराएंगे। इस आयोजन में भारतीय मूल के अमेरिकी खिलाड़ी एवं शतरंज के इतिहास में सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर 12 वर्षीय अभिमन्यु मिश्रा और 17 वर्षीय समीर बनर्जी को भी सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने पिछले महीने विंबलडन बॉयज का एकल फाइनल जीतकर इतिहास रच दिया था। कलाकार जोनिता गांधी और मिकी सिंह भी मेहमानों में शुमार होंगे। वैद्य ने कहा कि भारत 75वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, ऐसे में एफआईए अमेरिका में एकीकृत प्रवासी पर केंद्रित एक अभियान शुरू कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे बड़े शहर में तेजी से फैल रहा कोरोना, बढ़ाया गया लॉकडाउन

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

कैनबरा।ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे बड़े शहर मेलबर्न ने कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए बुधवार को लॉकडाउन की अवधि बढ़ा दी जबकि सिडनी में डेल्टा स्वरूप के फैलने के बावजूद प्राधिकारियों ने कहा कि वे उन निवासियों को पाबंदियों में छूट देने पर विचार कर रहे हैं जिन्होंने टीका लगवा लिया है। ऑस्ट्रेलियाई शहरों में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लॉकडाउन लगाए गए जो सफल रहे। लेकिन अत्यधिक संक्रामक डेल्टा स्वरूप देश में नयी चुनौतियां पैदा कर रहा है जहां टीकाकरण की दर कम है। विक्टोरिया राज्य की सरकार ने बुधवार को कहा कि मेलबर्न का छठा लॉकडाउन 19 अगस्त के अंत तक दूसरे हफ्ते के लिए बढ़ाया जाएगा। शहर में 24 घंटे के दौरान संक्रमण के 20 नए मामले आए हैं। विक्टोरिया के प्रमुख डेनियल एंड्रयूज ने कहा, ''यह बहुत चुनौतीपूर्ण है। मैं जानता हूं कि प्रत्येक विक्टोरिया निवासी चाहेंगे कि उनके काम चलते रहें, वे आजादी चाहेंगे जो डेल्टा स्वरूप के कारण संभव नहीं है। अगर हम गतिविधियां खोलने की अनुमति देते हैं तो मामले उतने ही बढ़ जाएंगे जितने कि अभी सिडनी में हैं।'' ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े शहर सिडनी में बुधवार को संक्रमण के 344 नए मामले आए। संक्रमण के सबसे अधिक 356 मामले मंगलवार को सामने आए थे। रातभर में कोविड-19 के दो मरीजों की मौत हो गयी।

यौन उत्पीड़न के आरोपों के बीच न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू क्यूमो ने इस्तीफा दिया

मॉस्को (एजेंसी)।

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू क्यूमो ने यौन उत्पीड़न के आरोपों के बीच मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पिछले सप्ताह स्वतंत्र जांचकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि उन्होंने राज्य की पूर्व एवं मौजूदा कर्मचारियों समेत कई महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया था। डेमोक्रेट नेता क्यूमो (63) ने एक टीवी संदेश में कहा कि 14 दिन में उनका इस्तीफा प्रभावी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि लेफ्टिनेंट गवर्नर कैथी होशुल को प्रभार सौंपे जाने की प्रक्रिया सुगम होगी।

न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स द्वारा नियुक्त स्वतंत्र जांचकर्ताओं ने क्यूमो पर लगे यौन उत्पीड़न के विभिन्न आरोपों के बारे में पिछले सप्ताह अपनी रिपोर्ट जारी की थी और लगभग पांच महीने की जांच के बाद जांचकर्ताओं ने कहा था कि क्यूमो ने राज्य की पूर्व एवं मौजूदा कर्मचारियों समेत कई महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया था, जिसमें अनुचित तरीके से छूना, चूमना, गले मिलना और टिप्पणियां करना शामिल है। न्यूयॉर्क की लेफ्टिनेंट गवर्नर कैथी होशुल 14 दिनों बाद गर्वनर का कार्यभार संभालेंगी। होशुल (62) न्यूयॉर्क की पहली महिला गवर्नर होंगी। व्हाइट हाउस ने क्यूमो के इस्तीफे पर कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन पहले ही इसके लिए बोल चुके थे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने संवाददाताओं से कहा, ''राष्ट्रपति ने पिछले सप्ताह ही अपना दृष्टिकोण और रुख जाहिर कर दिया था।

जो बाइडेन ने अफगानिस्तान से सैनिकों की वापसी की योजना में बदलाव से किया इनकार

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अफगानिस्तान से सैनिकों की वापसी के कार्यक्रम में किसी भी तरह के परिवर्तन की संभावना से इनकार किया है। बाइडेन ने 11 सितंबर तक युद्धग्रस्त देश से सभी अमेरिकी सैनिकों की वापसी का आदेश दिया है। पेंटागन ने बताया कि अब तक वहां से 90 फीसदी से अधिक सैनिक स्वदेश लौट चुके हैं। तालिबान अफगानिस्तान के बड़े हिस्सों में काबिज होता जा रहा है। व्हाइट हाउस में संवाददाताओं ने बाइडन से पूछा कि सैनिकों की वापसी के वर्तमान कार्यक्रम में क्या कोई बदलाव आ सकता है, इस पर उन्होंने कहा, 'नहीं'। बाइडन ने आगे कहा, ''देखिए, हमने बीस साल से अधिक वर्षों में एक हजार अरब डॉलर से अधिक राशि खर्च की।

अफगान बलों के 3,00,000 से अधिक सैनिकों को प्रशिक्षित किया, साजो सामान दिया। अफगान नेताओं को एक साथ आना होगा। हमारे हजारों सैनिक घायल हुए, हजारों मारे गए। उन्हें अपनी लड़ाई खुद लड़नी होगी, अपने देश के लिए लड़नी होगी।'' बाइडन ने कहा, ''हम अपने वादे पूरे करेंगे जैसे कि हवाई क्षेत्र में मदद देना, यह देखना कि उनकी वायुसेना ठीक से काम करने में सक्षम हो, उनके बलों को भोजन और उपकरणों की आपूर्ति और उनके सभी वेतनों का भुगतान आदि। लेकिन उन्हें लड़ना होगा। उनकी संख्या तालिबान से अधिक है।''

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अफगान इस बात को मानने लगे हैं कि उन्हें शीर्ष स्तर पर एक साथ आना होगा। उन्होंने कहा, ''लेकिन हम अपने वादे पूरे करते रहेंगे। मुझे अपने फैसले पर कोई अफसोस नहीं है।'' इससे पहले व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका उन लोगों को न्याय दिलाने के लिए अफगानिस्तान गया था जिन पर 11 सितंबर को हमला किया गया। वह उन दहशतगर्दों को तबाह करने गया था जो अमेरिका पर हमला करने के लिए अफगानिस्तान को सुरक्षित पनाहगाह बनाना चाह रहे थे। उन्होंने कहा, ''हमने कुछ साल पहले इन मकसदों को हासिल कर लिया।

पाकिस्तान: ओलंपिक में लचर प्रदर्शन पर इमरान खान ने खिलाड़ियों को लताड़ा, बुलाई बैठक

कराची। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने देश के ओलंपिक में लचर प्रदर्शन के कारणों का पता लगाने के लिये खेल मंत्री डा. फहमिदा मिर्जा के साथ बैठक बुलायी है। पाकिस्तान के 10 खिलाड़ियों ने तोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लिया था लेकिन उनमें से कोई भी पदक नहीं जीत पाया। इनमें से भाला फेंक के एथलीट अरशद नदीम और भारोत्तोलक ताल्हा तालिब ही प्रभाव छोड़ पाये थे और अपनी स्पर्धाओं में शीर्ष पांच में रहे थे। पाक सरकार में मंत्री असद उमर ने एआरई न्यूज से कहा, ''प्रधानमंत्री अपनी सरकार के बाकी बचे दो वर्ष के कार्यकाल में देश के खेल ढांचे पर ध्यान देंगे क्योंकि वह चाहते हैं कि युवा क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों में भी अपनी चमक बिखेरें। ''

सरकारी सूत्रों के अनुसार इमरान का खेलों के प्रति यह नया प्यार पड़ोसी भारत के ओलंपिक में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद जगा है। भारत को भाला फेंक के एथलीट नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक दिलाया था। इसके अलावा उसने दो रजत और चार कांस्य पदक भी जीते। असद ने कहा कि यह सच है कि अपने तीन साल के शासन में सरकार ने खेलों पर बहुत अधिक ध्यान नहीं दिया क्योंकि देश में कई अन्य ज्वलंत मुद्दे थे। उन्होंने कहा, ''लेकिन अब प्रधानमंत्री भी चाहते हैं कि खेलों में सुधार हो। उनकी देश में अत्याधुनिक खेल संस्थान स्थापित करने की योजना है।

चीन ने हुवावै से जुड़े मामले में कनाडाई नागरिक को 11 साल जेल की सजा सुनायी

दांडोंग। (एजेंसी)।

चीन की एक अदालत ने हुवावै से जुड़े एक मामले में जासूसी के आरोपों पर कनाडाई नागरिक माइकल स्पैवर को 11 साल की जेल की सजा सुनायी है। कनाडा सरकार द्वारा चीन की प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी की एक कार्यकारी अधिकारी को गिरफ्तार करने के बाद 2018 में स्पैवर को हिरासत में लिया गया। बुधवार को आया यह फैसला इस बात का ताजा संकेत है कि चीन कनाडा पर कैसे दबाव बढ़ा रहा है जहां एक अदालत में यह फैसला आना है कि कार्यकारी अधिकारी मेंग वानझोउ को अमेरिका में आपराधिक आरोपों का सामना करने के लिए उन्हें सौंपा जाए या नहीं। कनाडाई अदालत अगले कुछ हफ्तों में इस मामले पर सुनवाई करेगी। स्पैवर और एक अन्य कनाडाई नागरिक को चीन में हिरासत में लिया गया था जिसे आलोचकों ने ''बंधक बनाने की राजनीति'' करार दिया। यह कार्रवाई ईरान पर व्यापार प्रतिबंधों के संभावित उल्लंघनों के संबंध में 2018 में चीन के कार्यकारी अधिकारी की गिरफ्तारी के बाद की गयी। चीन की एक अन्य अदालत ने मंगलवार को एक तीसरे कनाडाई नागरिक की अपील भी खारिज कर दी जिसकी मादक पदार्थ के एक मामले जेल की सजा को कार्यकारी अधिकारी की गिरफ्तारी के बाद ''जीवन पर्यन्त उम्रकैद'' में बदल दिया गया। बीजिंग से 340 किलोमीटर पूर्व में दांडोंग शहर में सुनवाई के दौरान कनाडाई राजदूत डोमिनिक बार्टन अदालत में मौजूद थे। कनाडा के पूर्व राजदूत माइकल कोवरिग के मुकदमे की तारीख के बारे में अभी कुछ नहीं कहा गया है। इन्हें भी दिसंबर 2018 में गिरफ्तार किया गया था और इन पर जासूसी के आरोप लगाए गए थे। हुवावै टेक्नोलॉजीस लिमिटेड की मुख्य वित्तीय अधिकारी और कंपनी के संस्थापक की बेटी मेंग को एक दिसंबर 2018 को वैंकूवर में गिरफ्तार किया गया था। अमेरिका ने उन पर व्यापार प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए ईरान के साथ संभावित लेनदेन को लेकर ब्रिटिश बैंक एचएसबीसी की हांगकांग शाखा से झूठ बोलने का आरोप लगाया था। मेंग के वकीलों ने दलील की कि यह मामला राजनीति से प्रेरित है और उन पर जो आरोप लगाए गए हैं वे कनाडा में अपराध नहीं हैं।

ताइवान कार्यालय को लेकर विवाद में चीन ने लिथुआनिया के अपने राजदूत को वापस बुलाया

बीजिंग। (एजेंसी)।

लिथुआनिया ने स्वायत्तशासी ताइवान को देश में अपने नाम से कार्यालय खोलने की इजाजत दी है। इस फैसले को लेकर चीन ने मंगलवार को लिथुआनिया के लिए अपने राजदूत को वापस बुला लिया और बीजिंग के लिए बाल्टिक देश के शीर्ष प्रतिनिधि को निष्कासित कर दिया। चीन राजनयिक मान्यता के अधिकार के बिना ताइवान को अपना क्षेत्र बताता है। हालांकि द्वीप के व्यापार कार्यालयों के माध्यम से अमेरिका और जापान सहित सभी अहम देशों के साथ औपचारिक संबंध हैं, जो वस्तुत- दूतावास की तरह काम करते हैं। चीन के दबाव के कारण ताइवान का सिर्फ 15 देशों के साथ औपचारिक राजनयिक संबंध रह गया है। बहरहाल ताइवान ने मंगलवार को वेनिस फिल्म महोत्सव में अपनी प्रविष्टियों को ''चीनी ताइपे'' के नाम से संबोधित किए जाने पर विरोध जताया।

ताइवान का कहना है कि यह चीन के दबाव में किया गया। चीन का विरोध नहीं करने के लिए ताइवान को लेकर अक्सर इस संबोधन का प्रयोग किया जाता है। ताइवान और लिथुआनिया पिछले महीने राजधानी विल्नियस में कार्यालय खोलने पर सहमत हुए थे। यह कार्यालय इसी साल खुलने वाला है और इसका नाम चीनी ताइपे की जगह ताइवान होगा। चीन के विदेश मंत्रालय ने बयान में लिथुआनिया से तुरंत अपनी गलती को सुधारने को कहा और इस क्षति को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने को कहा। साथ ही दोबारा गलत राह नहीं अख्तियार करने की हिदायत दी। बयान में कहा गया है कि अगर लिथुआनिया ने कार्यालय खोलने की अनुमति दी तो उसे ''गंभीर परिणाम'' भुगतने होंगे, हालांकि इस संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। बयान में कहा गया है, ''हम ताइवान के अधिकारियों को चेतावनी देना चाहते हैं कि ताइवान स्वतंत्रता की बात करना छोड़ दे और अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में कोई भी अलगाववादी गतिविधि को नाकाम कर दिया जाएगा।''

लिथुआनिया के विदेश मंत्रालय ने चीन की कार्रवाई पर अफसोस जताया है और जोर दिया है कि ''एक चीन'' के सिद्धांत का सम्मान करते हुए वह ताइवान के साथ परस्पर लाभप्रद संबंध बनाने के लिए तैयार है जैसा कि अन्य देशों ने किया है। ताइवान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता जोआन ओउ ने ''राष्ट्रीय गरिमा और स्वतंत्रता की अवधारणा की रक्षा करने की लिथुआनिया की दृढ़ इच्छा'' को सलाम किया। ओयू ने कहा, ''दोनों पक्ष लोकतंत्र, स्वतंत्रता और मानवाधिकार जैसे सार्वभौमिक मूल्यों के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में आदान-प्रदान को मजबूत करना जारी रखेंगे।''

वाशिंगटन में अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने चीन के ''दबाव'' की निंदा की और कहा कि सभी देशों को यह निर्धारित करने की आजादी होनी चाहिए कि बीजिंग के हस्तक्षेप के बिना ताइवान के साथ संबंधों को कैसे बनाए रखना है। प्राइस ने संवाददाताओं से कहा, ''हम अपने नाटो सहयोगी लिथुआनिया के साथ एकजुटता से खड़े हैं और हम चीन की हालिया जवाबी कार्रवाई की निंदा करते हैं, जिसमें विल्नियस में बीजिंग के राजदूत को वापस बुलाना और लिथुआनिया को बीजिंग में अपने राजदूत को वापस बुलाने की मांग करना शामिल है।

काबुल को उत्तर से जोड़ने वाले अफगान शहर पर तालिबान का कब्जा

हेरात (एजेंसी)।

तालिबान ने राजधानी काबुल से 140 मील उत्तर में प्रमुख अफगान शहर पुल-ए-खुमरी पर कब्जा कर लिया है। विद्रोहियों और स्थानीय अधिकारियों के अनुसार गार्जियन ने इसकी सूचना दी।

शहर के दो अधिकारियों ने गार्जियन को बताया कि मंगलवार को भारी लड़ाई के बाद अधिकारियों और सुरक्षा बलों ने अपने परिसर को छोड़ दिया। इसके बाद तालिबान का इसपर कब्जा हो गया। एक अधिकारी ने एक फोन साक्षात्कार में कहा, पुल-ए-खुमरी तालिबान के हाथों आ गया, वे हर जगह हैं। इस दौरान भारी गोलियों की आवाज सुनी जा सकती है। तालिबान लड़ाके दोपहर के दौरान कई दिशाओं में आगे बढ़े। भारी झड़पों के बाद, अधिकारियों और सुरक्षा बलों ने राज्यपाल, खुफिया और पुलिस मुख्यालय को छोड़ दिया। भारी संघर्ष जारी है। हम तय कर रहे हैं कि अब कहां तक पीछे हटना है।

ट्विटर पर तालिबान के एक प्रवक्ता ने भी बागलान प्रांत की राजधानी शहर पर कब्जा करने का दावा किया। सोशल मीडिया पर तस्वीरों में शहर के फाटकों पर तालिबान का झंडा और शहर के अंदर विद्रोही लड़ाके दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर पुष्टि की जाती है, तो पुल-ए-खुमरी एक हफ्ते से भी कम समय में कट्टर इस्लामी आंदोलन द्वारा कब्जा की गई 34 प्रांतीय राजधानियों में से आठवीं होगी। तालिबान के लिए शहर का पतन अफगान सरकार के लिए एक बड़ा झटका होगा, जो अफगानिस्तान के उत्तर में शेष शहरों को पहले से ही विद्रोही नियंत्रण में नहीं है, जिसमें मजार-ए-शरीफ और फैजाबाद शामिल हैं। इससे पहले मंगलवार को, यूरोपीय संघ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने चेतावनी दी थी कि उत्तरी अफगानिस्तान में तालिबान की रणनीति राजधानी काबुल को उत्तर की ओर से उन बलों से काटने की प्रतीत होती है, जो इसका समर्थन कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के बूटलेगर के बेटे पर दुश्मनी में दो लोगों ने तलवार से हमला, एक गंभीर रूप से घायल

क्रांति समय दैनिक

सूरत के लालगेट थाना क्षेत्र के रामपुरा इलाके में पुरानी रंजिश में कुख्यात बूटलेगर वलीउल्लाह के बेटे फिरोज पर ६ से ७ युवकों ने हमला कर दिया . हमले को अंजाम देने वाले ६ से ७ युवकों की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है। फुटेज में हमलावर युवकों को छिपने के लिए भागते हुए दिखाया गया है।

फिलहाल पुलिस ने घटना की शिकायत दर्ज कर ली है और जांच कर रही है।

पुरानी रंजिश में हमला किया गया जो दोनों दोस्तों को अचानक हुए घातक हमले से बचाने के लिए हमलावरों से लड़ते भी नजर आ रहे हैं । अंसारी अहेजाज ने कहा कि मे ने मसीन कालिया के खिलाफ लालगेट पुलिस और सीपी साहब में शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायत वापस लेने से पहले हाथापाई भी हुई थी। जिसकी दुश्मनी में यह हमला किया गया है। डीसीबी पुलिस की किताब में 16 पेटी शराब के मामले में मोसिन कालियो वांछित है और सार्वजनिक रूप से शराब पीकर और हमले कर खुद को धमका रहा है। हमले में बरकतभाई नाम का एक शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया।

विद्यार्थियों में कोरोना के लक्षण मिले तो तुरंत स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करने का आदेश

क्रांति समय दैनिक

सूरत, शहर में तीन विद्यार्थियों के कोरोना संक्रमित होने के बाद स्वास्थ्य विभग हरकत में आ गया है। प्रशासन ने स्कूल संचालकों और प्रिन्सिपल को कोविड की गाइडलाइन का सख्ती से पालन करने और विद्यार्थियों में कोरोना लक्षण दिखाई दें तो तुरंत स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करने का आदेश दिया है। साथ ही कोरोना नियमों का उल्लंघन करने पर स्कूल संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

दरअसल राज्य में कोरोना काफी हद तक नियंत्रण में आने के बाद कक्षा 9 से 12 की ऑफलाइन शिक्षा शुरू हो गई है। स्कूल आनेवाले विद्यार्थियों कोरोना की चपेट में न आएं, इसके लिए महानगर पालिका की ओर से स्कूलों में नियमित टेस्टिंग की शुरू की गई थी। इस दौरान तीन विद्यार्थियों के संक्रमित होने पर स्वास्थ्य विभाग हरकत में गया है। प्रशासन ने स्कूल संचालकों और प्रिन्सिपल को कोरोना नियमों का सख्ती से अमल करने का आदेश दिया है और इसका उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। साथ ही स्कूल आने वाले किसी विद्यार्थी को बुखार-खांसी या कोविड के लक्षण दिखाई देते हैं तो उसे तत्काल छुट्टी देने और प्रशासन से संपर्क करने का आदेश दिया है।

आवारा पशु ने परीक्षा देने जा रहे 20 वर्षीय विद्यार्थी की जान ले ली

क्रांति समय दैनिक

नवसारी,शहरों में आवारा पशुओं की समस्या गंभीर होती जा रही है। सड़कों पर घूमते आवारा पशुओं की वजह से दुर्घटनाएं होने की आए दिन घटनाएं सामने आती हैं। कई दफा ऐसी घटनाओं में लोगों की जान तक चली गई है। ऐसी ही एक घटना नवसारी में हुई, जिसमें परीक्षा देने जा रहे एक 20 वर्षीय विद्यार्थी की मौत हो गई। नवसारी में रहने वाले 20 वर्षीय विशाल हलपति कॉलेज का छात्र है और आज उसकी परीक्षा थी। विशाल सुबह मोटर साइकिल पर सवार होकर परीक्षा देने जा रहा था। रास्ते में कालियावाडी की एबी स्कूल के निकट एक आवारा पशु ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि विशाल बाइक से उछलकर सड़क पर जा गिरा और उसका सिर फट गया। लहूलुहान हालत में विशाल को तुरंत सिविस अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार से पहले ही उसकी मौत हो गई। आवारा पशुओं की वजह से यह कोई पहली मौत नहीं है। इससे पहले तीन लोगों की मौत हो चुकी है और आवारा पशुओं को लेकर नगर पालिका के अधिकारी और शासकों के खिलाफ पुलिस केस भी हुए हैं। लेकिन शहरवासियों को आवारा पशुओं के आतंक से मुक्ति नहीं मिल पाई। प्रशासन की लापरवाही की वजह से आज एक और युवक की जान चली गई।

सार-समाचार

कार और बाइक के बीच दुर्घटना में पति की मौत, पत्नी घायल

जूनागढ़,जूनागढ़-मेंदरडा रोड पर सुबह कार ने बाइक सवार दंपत्ति को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में पत्नी के सामने पति की मौत हो गई। जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरूकर दी। जानकारी के मुताबिक जूनागढ़-मेंदरडा रोड पर सुबह एक दंपत्ति बाइक से गुजर रहा था। उस वक्त एक स्वीफ्ट कार ने मोटर साइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में पत्नी की नजरों के सामने पति की मौत हो गई। जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। खबर लगते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और घायल को महिला को अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरूकी है।

विरोध प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस विधायकों को पुलिस ने लिया हिरासत में

गांधीनगर,तौकते चक्रवात से हुए नुकसान का रि सर्वे की मांग को लेकर नेता प्रतिपक्ष परेश धानाणी समेत कांग्रेस के 50 विधायकों ने गांधीनगर विधानसभा में प्रदर्शन किया। जहां पुलिस और विधायकों के बीच घर्षण हुआ और बाद में सभी को हिरासत में ले लिया गया। बता दें कि इसी साल मई में आए तौकते चक्रवात से सौराष्ट्र में व्यापक तबाही हुई थी। सरकार का दावा है कि उसने चक्रवात प्रभावितों को नुकसानी का मुआवजा दे दिया है। जबकि कांग्रेस ने सहायता राशि में अनियमितता का आरोप लगाते हुए प्रभावित क्षेत्रों का पुनः सर्वे कराने की मांग की है। इस मुद्दे को लेकर कुछ समय पहले कांग्रेस विधायकों के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी और उचित समाधान नहीं होने पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी थी। बुधवार को कांग्रेस विधायकों की बात नहीं सुनने पर विधानसभा परिसर स्थित गांधी प्रतिमा के निकट विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया था। कांग्रेस के सभी विधायकों ने सरकार विरोधी प्ले कार्ड लेकर प्रदर्शन किया। लेकिन कार्यक्रम को पुलिस की मंजूरी नहीं होने से पुलिस और कांग्रेस नेताओं के बीच घर्षण हुआ। जिसमें नेता प्रतिपक्ष परेश धानाणी के सिर में चोट लगी होने की खबर है। पुलिस ने विरोध प्रदर्शन कर रहे नेता प्रतिपक्ष परेश धानाणी और गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा समेत विधायकों को हिरासत में ले लिया।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक पर त्रिपुरा में स्व्हक्र दर्ज, जानें क्या है आरोप

नयी दिल्ली। त्रिपुरा में अपना राजनीतिक बेस बनाने की कोशिश में लगी टीएमसी को एक बड़ा झटका लगा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी पर त्रिपुरा में एफआईआर दर्ज की गई है। अभिषेक बनर्जी पर कानून तोड़ने का आरोप लगा है। सांसद डोला सेन, मंत्री ब्रत्य बसु, कुणाल घोष समेत छह तृणमूल कांग्रेस नेताओं के खिलाफ पुलिस ड्यूटी में बाधा डालने के आरोप में शिकायत दर्ज की है। टीएमसी नेताओं पर थाने का घेराव करने और पुलिस को धमकी देने का आरोप है। अतिरिक्त एसपी और एसडीपीओ खोवाई के साथ कथित रूप से दुर्व्यवहार करने और उनकी ड्यूटी में बाधा पहुंचाने का आरोप है। बता दें त्रिपुरा में जिन तृणमूल समर्थकों को गिरफ्तार किया गया था। जिनको छुड़ाने के लिए खोवाई थाने का घेराव किया गया था। पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर में कहा गया कि रविवार को सुबह 14 तृणमूल नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद मंत्री ब्रत्य बसु और सांसद डोला सेन के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं का एक समूह खोवाई थाने पहुंचा। इसके तुरंत बाद ही अभिषेक बनर्जी भी थाने पहुंचे और फिर टीएमसी नेताओं ने एडमिशनल एसपी और अन्य पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार किया।

15 अगस्त से पहले लाल किले पर कड़ी सुरक्षा, कंटेनर और 9 ड्रोन रोधी सिस्टम लगाए गए

नई दिल्ली।इस साल 26 जनवरी को, प्रदर्शनकारी किसानों ने लाल किले के परिसर में प्रवेश किया था जिसमें किसानों का सुरक्षा बलों के साथ झड़प भी हुई थी। इस तरह की घटना दोबारा न हो इसके लिए सुरक्षा बलों ने इस बार लाल किले की सुरक्षा की तैनाती बढ़ा दी है। बता दें कि 26 जनवरी को जिस गेट से दंगाइयों ने लाल किले में प्रवेश किया था, उसे पहली बार लोहे के कंटेनर से सील कर दिया गया है। 15 अगस्त को स्वंतत्रता दिवस समारोह से पहले लाल किले के प्रवेश द्वार पर दीवारों की तरह उंचे शिपिंग कंटेनर रखे गए हैं। एक खबर के मुताबिक, कड़ी सुरक्षा के बीच 9 ड्रोन रोधी सिस्टम को भी लगाया जाएगा। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 26 जनवरी को जिस तरह से हिंसक माहोल पैदा हो गया था वैसी सिथ्ति और जोखिम दोबारा नहीं उठा सकते हैं। बता दें कि इन कंटेनरों को सजाया गया है जिसमें पेंटिंग करते हुए 'नेशन फर्स्ट ऑलवेज फर्स्ट' की थीम भी दिखाई जाएगी। वहीं दिल्ली पुलिस के सूत्रों को कहना है कि, इस कड़ी सुरक्षा में 40 हजार से अधिक सुरक्षाबल की तैनाती होगी। यह खुफिया एजेंसियों के अलर्ट के बाद सुरक्षा बढ़ाई गई है।

यूपी में सप्ताहिक बंदी से जल्द मिल सकती है राहत, जारी होगी गाइडलाइन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लोगों साप्ताहिक बंदी से छुटकारा मिल सकता है। अब प्रदेशवासियों को दो दिन की साप्ताहिक बंदी से भी छुटकारा मिल सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को इस संबंध में गृह विभाग विस्तृत गाइडलाइन जारी करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को टीम 9 की बैठक में गृह विभाग को विस्तृत गाइडलाइन जारी करने के निर्देश दिए। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि प्रत्येक स्थान पर प्रत्येक दशा में कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन कराया जाए। कहीं भी अनावश्यक भीड़भाड़ न हो। पुलिस पेट्रोलिंग सतत जारी रहे। नवीन व्यवस्था के संबंध में समुचित दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोविड की नियंत्रित स्थिति को देखते हुए दो दिवसीय साप्ताहिक बंदी में आंशिक छूट दिए जाने पर विचार किया जा सकता है, लेकिन प्रत्येक स्थान पर प्रत्येक दशा में कोविड प्रोटोकाल का सख्ती से पालन कराया जाए। प्रदेश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर पर प्रभावी नियंत्रण बना हुआ है। बुधवार को अलीगढ़, अमेठी, चित्रकूट, एटा, फिरोजाबाद, गोंडा, हाथरस, कासगंज, पीलीभीत, प्रतापगढ़, शामली और सोनभद्र में कोविड का एक भी मरीज शेष नहीं है।

भारत में एक दिन में कोरोना वायरस के 38,353 नए मामले, 140 दिन में सबसे कम उपचाराधीन मरीज

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस के 38,353 नए मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 3,20,36,511 पर पहुंच गयी जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 3,86,351 रह गयी जो 140 दिनों में सबसे कम है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बुधवार को सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, 497 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 4,29,179 हो गयी। उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 1.21 प्रतिशत है जो मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। कोविड-19 से उबरने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर 97.45 प्रतिशत है। मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 2,157 मामलों की कमी दर्ज की गयी है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

केरल पुलिस ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को फोन पर धमकी देने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया

कोच्चि। केरल पुलिस ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को फोन पर कथित रूप से धमकी देने के आरोप में 40 वर्षीय व्यक्ति को मंगलवार को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आरोपी, कोट्टायम के निवासी अनिल को वैकोम के उप पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व वाली एक टीम ने एक बस में थलयोलापरम्बु से एर्नाकुलम की यात्रा के दौरान पकड़ा।

कानून निर्माताओं के विरुद्ध दर्ज मामले उच्च न्यायालयों की अनुमति के बिना वापस नहीं ले सकतेः न्यायालय

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आपराधिक मामलों का सामना कर रहे नेताओं को प्रभावित करने वाले एक महत्वपूर्ण आदेश में उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को राज्य अभियोजकों की शक्ति को कम कर दिया और कहा कि वे कानून निर्माताओं के विरुद्ध दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत दर्ज अभियोजन को उच्च न्यायालयों की अनुमति के बिना वापस नहीं ले सकते।

प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति विनीत सरन और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने केंद्र सरकार और केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी एजेंसियों द्वारा स्थिति रिपोर्ट दायर नहीं करने पर नाराजगी जताई तथा संकेत दिया कि नेताओं के विरुद्ध दर्ज मामलों की निगरानी करने के लिए उच्चतम न्यायालय में एक विशेष पीठ की स्थापना की जाएगी। अदालत की सहायता के लिए नियुक्त न्याय मित्र वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया द्वारा खबरों के आधार पर उल्लिखित उन तथ्यों के आलोक में उच्चतम न्यायालय का आदेश महत्वपूर्ण है जिनमें कहा गया था कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों ने सीआरपीसी की धारा 321 के इस्तेमाल से नेताओं के विरुद्ध दर्ज आपराधिक मामलों को वापस लेने का अनुरोध किया था। यह धारा अभियोजकों को मामले वापस लेने की शक्ति देती है। न्याय मित्र की रिपोर्ट में कहा गया था, 'उत्तर प्रदेश सरकार संगीत सोम (मेरठ के सरधना से विधायक), सुरेश राणा (थाना भवन से विधायक), कपिल देव (मुजफ्फरनगर सदर से विधायक, जहां दंगे हुए थे) और नेत्री साध्वी प्राची के विरुद्ध अभियोजन वापस लेने का अनुरोध कर रही है।' न्याय मित्र की रिपोर्ट में अन्य राज्यों में मामले वापस लेने का भी हवाला दिया गया है। पीठ ने कहा, 'पहला मुद्दा मामले वापस लेने के लिए अपराध प्रक्रिया संहिता की धारा 321 के गलत इस्तेमाल का है। हमें यह निर्देश देना उचित लग रहा है कि सांसद और विधायक के विरुद्ध कोई भी अभियोजन उच्च न्यायालय से अनुमति लिए बिना वापस नहीं लिया जा सकता।' पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालयों से अनुरोध है कि इस अदालत द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के आलोक में 16 सितंबर, 2020 से अभियोजन, चाहे वह लंबित हो या निपटाया गया हो, की जांच करें। एक अन्य आदेश में न्यायालय ने कहा कि सांसदों और विधायकों के विरुद्ध मामले की सुनवाई कर रहे विशेष अदालतों के न्यायाधीशों का अगले आदेश तक स्थानांतरण नहीं किया जाएगा। हालांकि, उक्त न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति और मौत जैसे अपवादों में आदेश लागू नहीं होगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि लंबित मामलों का तेजी से निपटारा सुनिश्चित करने के लिए विशेष अदालतों या सीबीआई अदालतों की अध्यक्षता करने वाले अधिकारियों को निर्देश देना जरूरी है, जिसमें सांसदों या विधायकों के खिलाफ मुकदमा चलाने वाले अधिकारी अगले आदेश तक अपने वर्तमान पदों पर बने रहें। पीठ ने कहा, 'न्यायिक अधिकारियों के स्थानांतरण को छोड़कर यह निर्देश उनकी सेवानिवृत्ति या मृत्यु के अधीन होगा। यदि कोई और आवश्यकता या आपात स्थिति उत्पन्न होती है, तो उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरल हमारे समक्ष उन अधिकारियों को राहत देने के लिए आवेदन करने के लिए स्वतंत्र हैं।'

अंशु प्रकाश मारपीट मामले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को बड़ी राहत, कोर्ट से मिली क्लिन चिट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली की एक अदालत ने तत्कालीन मुख्य सचिव अंशु प्रकाश पर कथित हमले के 2018 के एक मामले में दिल्ली कोर्ट ने आप पार्टी के 9 विधायकों को बरी कर दिया है। बता दें कि इसमें सीएम केजरीवाल और डिप्टी सीएम सिसोदिया को क्लिन चिट मिल गई है।इसमें अमानतुल्लाह खान और प्रकाश जारवाल को दिल्ली कोर्ट से राहत नहीं मिली है। बताया जा रहा है कि, दिल्ली की कोर्ट द्वारा मुख्य सचिव की पिटाई के मामले में राहत मिलने के बाद उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया मीडिया से बातचीत करेंगे।

यह मामला 19 फरवरी 2018 का है जब, केजरीवाल के अधिकारिक आवास पर एक बैठक के दौरान 1986 बैच के आईएएस अधिकारी श्री प्रकाश पर

हमला कर दिया गया था। दिल्ली पुलिस द्वारा दायर एक आरोप में यह दावा किया गया कि, हाल जानबूझकर किया गया था, और आरोपियों में सीएम केजरीवाल और डिप्टी सीएम सिसोदिया का नाम लिया गया था। इस घटना को लेकर कहा गया था कि, जब यह मारपीट हो रही थी तब आप पार्टी द्वारा घटना की रिकॉर्डिंग न हो एसके लिए सीसीटीवी कैमरों को डिस्कनेक्ट करना शामिल था। आप ने आरोपों को खारिज किया था।

पराली को जैव खाद में बदलने के लिए किसानों को दिए गए कैप्सूल किट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

फसल अवशेष प्रबंधन के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) द्वारा विकसित एक कम लागत वाला कैप्सूल पूसा डीकंपोजर टेक्नोलॉजी 25 राज्यों के किसानों को प्रदान किया गया है। वित्तवर्ष 2020-21 के दौरान 10,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि को कवर किया गया। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मंगलवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, 2020 के दौरान, उत्तर प्रदेश (3,700 हेक्टेयर), पंजाब (200 हेक्टेयर), दिल्ली (800 हेक्टेयर), पश्चिम बंगाल (510 हेक्टेयर), तेलंगाना (100 हेक्टेयर) की सरकारों को 5,730 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए पूसा डिकंपोजर प्रदान किया गया था। भारतीय उद्योग परिसंघ (100 हेक्टेयर) और गैर सरकारी संगठन और किसान (320 हेक्टेयर)। आईएआरआई ने पूसा डिकंपोजर के बड़े पैमाने पर गुणन और विपणन के लिए 12 कंपनियों को इस तकनीक का लाइसेंस दिया है। इसके अलावा, भाकृअनुप-आईएआरआई ने किसानों के उपयोग के लिए अपनी सुविधा से पूसा डिकंपोजर के लगभग 20,000 पैकेट का उत्पादन किया है। मंत्री ने कहा कि पंजाब और हरियाणा के कई गांवों में किसानों के खेतों में धान के अवशेषों पर पूसा डिकंपोजर के इन-सीटू आवेदन का प्रदर्शन किया गया था, उन्होंने कहा कि किसानों के बीच जलाना नहीं, गलाना है का नारा प्रचारित किया गया है।

मोदी ने हटाया तो क्या हुआ, अब उद्धव ठाकरे देंगे राजीव गांधी के नाम पर पुरस्कार

मुंबई।(एजेंसी)।

कांग्रेस के समर्थन से सरकार चला रहे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने एक बड़ा फैसला लेते हुए तय किया है कि राज्य में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नाम पर आईटी पुरस्कार स्थापित किया जायेगा। हम आपको बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी का नाम देश के शीर्ष खेल पुरस्कार खेल रत्न से हटाए जाने के कुछ दिनों बाद, महाराष्ट्र सरकार ने यह महत्वपूर्ण फैसला लिया है। राज्य सरकार ने समाज की मदद करने वाले सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) संगठनों को सम्मानित करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के नाम पर पुरस्कार की स्थापना की। महाराष्ट्र के आईटी राज्यमंत्री सतेज पाटिल ने इस आशय की घोषणा की।

महाराष्ट्र सरकार के एक आदेश में कहा गया है कि यह पुरस्कार 1984 से 1989 तक देश के प्रधानमंत्री रहे स्वर्गीय राजीव गांधी के भारत में आईटी क्षेत्र को प्रोत्साहन देने में योगदान को सम्मानित करने के लिए है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह पुरस्कार हर साल दिवंगत कांग्रेस नेता की जयंती 20 अगस्त को प्रदान किया जाएगा, लेकिन इस साल प्राप्तकर्ता का चयन 30 अक्टूबर तक किया जाएगा। इस पुरस्कार के लिए संगठनों के चयन के लिए रूपरेखा तय करने के लिए महाराष्ट्र सूचना और प्रौद्योगिकी निगम नोडल एजेंसी होगी। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त 1944 को मुंबई में हुआ था।

कांग्रेस, शिवसेना और राकांपा महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी सरकार में शामिल हैं। माना जा रहा है कि कांग्रेस को खुश करने के लिए इस पुरस्कार की स्थापना की गयी है। राहुल गांधी ने हाल ही में घोषणा की थी कि वह जल्द ही महाराष्ट्र का दौरा करेंगे उससे पहले यह फैसला लिया जाना अपने आप में बड़ा राजनीतिक संकेत भी है। कुछ समय से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के बयानों के चलते राज्य की गठबंधन सरकार में उठापटक देखने को मिल रही थी लेकिन इस फैसले के जरिये शिवसेना ने कांग्रेस के करीब होने का संदेश दिया है। गौरतलब है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पिछले हफ्ते हॉकी के दिग्गज ध्यानचंद की याद में राजीव गांधी

खेल रत्न पुरस्कार का नाम बदलकर 'मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार' कर दिया था।

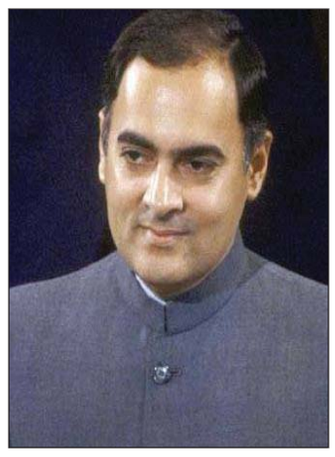

कांग्रेस पर अनुराग ठाकुर का हमला, कहा- लोकतंत्र को शर्मसार करने का काम किया जा रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पेगासस जासूसी मामले और तीन कृषि कानूनों को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध लगातार जारी है। हाल में ही कांग्रेस सांसद प्रताप सिंह बाजवा पर राज्यसभा में रूलबुक फेंकने का आरोप लगा इसको लेकर अब केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर जबरदस्त निशाना साधा है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक अनुराग ठाकुर ने कहा कि जो पार्टी 2 वर्ष तक अपना अध्यक्ष न चुन पाए, जिस पार्टी के सांसद अपनी ही सरकार के बिल फाड़ दें। जो पार्टी सदन न चलने दे, जो सड़क पर भी कोई करने से शर्म महसूस करे वैसा काम सदन में करे।समझ सकते हैं कि लोकतंत्र को कितना शर्मसार करने का काम किया जा रहा है।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि जनता ने जिन्हें अपने मुद्दे उठाने के लिए सांसद बनाकर भेजा है वो चर्चा में भाग न लेकर चीर-फाड़ करने तक आए हैं, फाइलें फेंकने तक आए हैं। कल जो हुआ वो एक के बाद दूसरी शर्मसार करने वाली घटना थी। अनुराग ठाकुर ने राज्यसभा में कांग्रेस सांसद प्रताप सिंह बाजवा के अशोभनीय आचरण की तुलना 26 जनवरी को लाल किले में हुई हुड़दंग की घटना से करते हुए बुधवार को कहा कि सदन में आसन की ओर फाइल फेंका जाना एक ''शर्मनाक'' घटना थी।

उन्होंने लोकसभा एवं राज्यसभा में कामकाज को बाधित करने के लिए कांग्रेस एवं विपक्षी दलों को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि लोगों ने अपनी आवाज उठाने के लिए जिन लोगों को संसद भेजा था, वे नियम विरूद्ध व्यवहार कर रहे हैं। ठाकुर ने कहा, ''मेज पर चढ़कर फाइल फेंकना एक शर्मनाक घटना थी।'' सूचना एवं प्रसारण मंत्री ठाकुर ने कहा, ''इस तरह के कृत्य को अंजाम देकर यदि कोई गौरव महसूस करे तो मुझे लगता है कि 26 जनवरी की शर्मनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति हो रही है।''

तमिलनाडु बजट जलवायु परिवर्तन शमन प्रयासों के लिए आवंटित करेगा

चेन्नई (एजेंसी)।

तमिलनाडु सरकार वित्तीय वर्ष 2021-22 के संशोधित राज्य बजट में जलवायु परिवर्तन शमन प्रयासों के लिए आवंटन प्रदान करने के लिए तैयार है।

पर्यावरण विभाग, तमिलनाडु के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि 13 अगस्त को जो बजट पेश किया जाना है, उसमें जलवायु परिवर्तन पर काम करने और तमिलनाडु समुद्र तट के कटाव पर विशेषज्ञों की चेतावनी के लिए अच्छा आवंटन होने की संभावना है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने एमएसएसआरएफद्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना और कोविड-19 महामारी विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि राज्य सरकार जलवायु परिवर्तन को एक प्रमुख मुद्दे के रूप में पहचानती है जिससे सभी संसाधनों के साथ प्रभावी ढंग से निपटना होगा। इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की रिपोर्ट में कहा गया है कि तमिलनाडु में चरम मौसम की संभावना राज्य में समुद्र तट के लिए बड़ा खतरा पैदा कर रही है। नासा ने आईपीसीसी की रिपोर्ट पर आधारित अपने अध्ययन में चेतावनी दी है कि भारत के 12 तटीय शहरों में से एक के रूप में चेन्नई सदी के अंत तक पानी के भीतर डूब सकता है। तमिलनाडु सरकार ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के सुझाव के बाद जलवायु परिवर्तन पर राज्य की कार्य योजना को संशोधित करने के लिए पहले ही एक रिपोर्ट तैयार कर ली है। तमिलनाडु स्टेट एक्शन प्लान ऑन क्लाइमेट चेंज एक जर्मन एजेंसी के सहयोग से तैयार किया गया था और अब केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद राज्य-विशिष्ट प्रभावों और भेद्यता के साथ संशोधित किया जा रहा है। पर्यावरण विभाग, तमिलनाडु सरकार जलवायु परिवर्तन से संबंधित कार्यक्रमों को लागू करने के लिए नोडल एजेंसी है और हरित जलवायु कोष (जीसीएफ) और जलवायु परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय अनुकूलन कोष (एनएएफसीसी) जैसे विभिन्न निकायों को प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए अन्य राज्य एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही है। इन प्रस्तावों को राष्ट्रीय कृषि विकास बैंक (नाबार्ड) के परामर्श से प्रस्तुत किया जाना है।

राज्यसभा में भाजपा ने कहा, कांग्रेस ने ओबीसी को 40 साल तक आरक्षण नहीं दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए राज्यसभा में कहा कि देश में लंबे समय तक शासन करने वाली यह पार्टी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की हितैषी होने का दावा करती है लेकिन ओबीसी के उत्थान को लेकर गठित विभिन्न आयोगों की सिफारिशों को उसने लागू करने के बजाय हमेशा ठंडे बस्ते में ही डाला। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की सूची बनाने से जुड़े राज्यों के अधिकारों को बहाल करने का प्रावधान करने वाले संविधान (127वां संशोधन) विधेयक, 2021 पर चर्चा में हिस्सा ले रहे भाजपा के सुशील मोदी ने कहा कि विभिन्न संसदीय समितियों के समक्ष केंद्र सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उसका इरादा राज्यों के अधिकार छीनने का नहीं है। उन्होंने सवाल किया ''क्या राज्यों के अधिकार छीने जा सकते हैं?'' उन्होंने कांग्रेस सदस्यों से जानना चाहा कि काका कालेलकर आयोग की सिफारिशें कांग्रेस के कार्यकाल में क्यों नहीं लागू की गईं? मंडल आयोग की सिफारिशें नौ साल तक क्यों लागू नहीं की गईं? उन्होंने कहा, ''इस देश में पिछड़ों को अधिकार उन सरकारों के कार्यकाल में मिला जिनमें भाजपा शामिल थी।

सुशील मोदी ने कहा ''कांग्रेस 1950 में शासन में

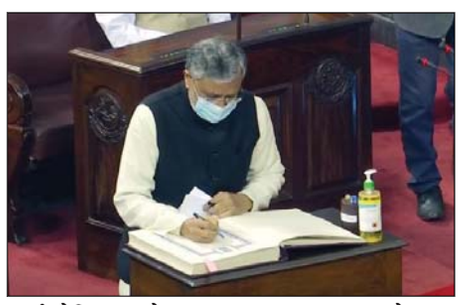

आई लेकिन उसने 40 साल तक काका कालेलकर आयोग की रिपोर्ट पर काम नहीं किया और पिछड़ों को न्याय नहीं दिया। मंडल आयोग ने 1980 में रिपोर्ट दी लेकिन कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने पिछड़ों को तब भी न्याय नहीं दिया। जिस सरकार ने मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू किया, भाजपा उस समय उसका समर्थन कर रही थी। 1993 में पिछड़ा वर्ग आयोग बना और उसके बाद क्रीमी लेयर की समीक्षा का काम 2004 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने किया तथा नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद हमारी सरकार ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया।'' उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति आयोग को भी कांग्रेस के कार्यकाल में संवैधानिक दर्जा नहीं दिया गया। बी के हांडिक आयोग ने पिछड़ा वर्ग के लिए आयोग बनाने की सिफारिश की थी लेकिन कांग्रेस ने इस पर अमल नहीं किया। भाजपा सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग को अनुसूचित जाति आयोग, अनुसूचित जनजाति आयोग के समकक्ष संवैधानिक दर्जा दिया। मोदी सरकार ने ही संविधान में संशोधन कर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए दस फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की।

भाजपा सदस्य ने कहा ''हमें उम्मीद है कि जब भी यह मामला उच्चतम न्यायालय में आएगा तो जीत सरकार की होगी और देश के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को इसका लाभ मिलेगा।'' भाजपा सरकार को अजा, अजजा समुदाय के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध बताते हुए सुशील मोदी ने कहा कि इन समुदायों पर अत्याचार रोकने के लिए कानून में संशोधन किया गया। उन्होंने कहा कि नवोदय स्कूलों में आरक्षण की व्यवस्था की गई जिसके बाद हर साल चार लाख बच्चे इसका लाभ उठा रहे हैं। संविधान (एक सौ सत्ताइसवां संशोधन) विधेयक 2021 पर अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में न तो संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर का चित्र लगाया और न ही उन्हें भारत रत्न सम्मान देना जरूरी समझा। विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा सदस्य सुशील मोदी के यह कहने पर आपत्ति जताई।

अजित पवार ने महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद में प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की मांग उठाई

मुंबई।(एजेंसी)।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पड़ोसी कर्नाटक के साथ काफी समय से लंबित राज्य के सीमा विवाद को हल करने के लिए उनके हस्तक्षेप की मांग की है। नौ अगस्त को लिखे पत्र में पवार ने मोदी से अनुरोध किया कि वह कर्नाटक सरकार द्वारा कथित तौर पर मराठी भाषी लोगों पर किए जा रहे अत्याचारों को रोकने और विवादित इलाकों को महाराष्ट्र में शामिल करने के लिए कदम उठाएं। महाराष्ट्र बेलगाम, करवार और निप्पानी समेत कुछ निश्चित इलाकों पर दावा जताता है जोकि कर्नाटक का हिस्सा हैं। उसका दावा है कि इन इलाकों की अधिकतर आबादी मराठी भाषी है।

दोनों राज्यों के बीच बेलगाम और अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों को लेकर विवाद कई वर्षों से उच्चतम न्यायालय में लंबित है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र राज्य का गठन हुए 60 साल से भी अधिक का समय गुजर चुका है लेकिन कर्नाटक के बेलगाम, करवार, बीदर और निप्पानी समेत अन्य मराठी भाषी इलाकों को अब तक महाराष्ट्र में शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र के लोगों और महाराष्ट्र की सीमा से लगे कर्नाटक के मराठी भाषी इलाकों में रहने वाले लोगों को इस बात का अफसोस है कि इस मुद्दे का अभी तक समाधान नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में पवार ने कहा, कानूनी माध्यम से लड़ाई जारी रहेगी। हम चाहते हैं कि आप महाराष्ट्र के लोगों की इच्छाओं का संज्ञान लें और न्याय सुनिश्चित करें।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)